सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 176 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 10 अप्रैल 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

शराब के नशे में स्कूल पहुंचने वाला प्रिंसिपल निलंबित, ग्रामीणों की शिकायत के बाद डीईओ ने की कार्रवाई

सक्ती। छत्तीसगढ़ सरकार के सुशासन तिहार के अंतर्गत जिले में चल रहे आकस्मिक निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत रेड़ा में एक बड़ी लापरवाही उजागर हुई। शासकीय प्राथमिक शाला खैरा के प्रधानाध्यापक भानु प्रताप उइके शराब पीकर स्कूल पहुंचे थे। शिकायत पर जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) नरेंद्र चंद्रा ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

ग्राम पंचायत रेड़ा में जब डीईओ निरीक्षण के लिए पहुंचे, तब ग्रामीणों ने खुलकर प्रिंसिपल की शिकायत की। उनका कहना था कि भानु प्रताप उइके अक्सर शराब के नशे में स्कूल आते हैं। बच्चों की पढ़ाई में कोई रुचि नहीं लेते और बिना सूचना के कई दिनों तक अनुपस्थित रहते हैं। निरीक्षण के दौरान डीईओ ने पाया कि प्रधान पाठक तीन दिनों से बिना सूचना के अनुपस्थित हैं। स्थानीय शिक्षकों और ग्रामीणों के बयान के बाद उन्होंने तत्काल सख्त कार्रवाई करते हुए निलंबन आदेश जारी किया।

डीईओ ने साथ ही अन्य शालाओं में भी शिक्षकों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली की जांच की। डीईओ की त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है। ग्रामीणों ने जिला शिक्षा अधिकारी का आभार जताते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई से स्कूलों की व्यवस्था में सुधार होगा और बच्चों की शिक्षा प्रभावित नहीं होगी। जिला शिक्षा अधिकारी सक्ती नरेंद्र चंद्रा ने कहा कि ग्रामीणों की शिकायत पूरी तरह सही पाई गई। ऐसे शिक्षक जो बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, उनके खिलाफसख्त कदम उठाए जाएंगे।

अग्निवीर भर्ती आवेदन की तारीख 25 अप्रैल तक बढ़ी: 8वीं-10वीं पास भी कर सकेंगे अप्लाई

रायपुर। इंडियन आर्मी जॉइन करने की चाहत रखने वाले युवाओं को एक और मौका मिलने जा रहा है। गुरुवार 10 अप्रैल तक ही अग्निवीर भर्ती के आवेदन की आखिरी तारीख थी। अब इसे बढ़ा दिया गया है। अब युवा 25 अप्रैल तक आवेदन कर सकेंगे।

सेना भर्ती कार्यालय रायपुर से मिली जानकारी के अनुसार अग्निवीरों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की जा चुकी है, जो भारतीय सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर मौजूद है। इसी वेबसाइट पर आवेदन करना होगा। अग्निवीर की भर्ती जनरल, तकनीकी, क्लर्क, ट्रेडमेन (8वीं और 10वीं), महिला सैन्य पुलिस और रेगुलर कैडर भर्ती, धर्म गुरू, नर्सिंग सहयोगी और सिपाही फार्मा के पदों के लिए जारी की गई है। कैंडिडेट अग्निवीर के 2 पदों के लिए अपनी योग्यता अनुसार आवेदन कर सकते हैं। अग्निवीर क्लर्क के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन परीक्षा में टाइपिंग टेस्ट भी देना होगा। ऑनलाइन परीक्षा जून 2025 में होने की संभावना है। किसी भी अन्य जानकारी और समस्या के लिए कैंडिडेट सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के टेलिफोन नंबर 0771-2965212/0771-2965214 पर संपर्क कर सकते हैं। परीक्षा कहां होगी, फिजिकल टेस्ट किस शहर में होगा इसकी जानकारी अलग से जारी की जाएगी, सैन्य अफसरों ने बताया कि फिलहाल ये तय नहीं है।

नक्सलियों ने फिर की शांतिवार्ता की मांग, गृहमंत्री विजय शर्मा बोले- सरकार तैयार, हथियार छोड़कर आएं सामने

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन से नक्सली बैकफुट पर हैं। एक सप्ताह के भीतर नक्सलियों ने दूसरी बार शांति वार्ता की अपील की है। नक्सलियों के उत्तर-पश्चिम सब जोनल ब्यूरो प्रभारी रूपेश ने प्रेस नोट जारी कर प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा से बातचीत के लिए अनुकूल माहौल बनाने की बात कही है। प्रेसनोट के माध्यम से स्पष्ट कहा गया है कि शांति वार्ता के अनुकूल माहौल बनाए हम पूर्ण युद्ध विराम कर देंगे। शांति वार्ता के प्रस्ताव पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सरकार नक्सलियों से बातचीत को तैयार है वे हथियार डाले और सामने आए।

बता दें छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खात्मे के लिए 31 मार्च 2026 की डेड लाइन तय है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ भाजपा की सरकार बनने के बाद मंच से इसकी घोषणा की थी। शाह की घोषणा के बाद सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन तेज कर कर दिया। नक्सलियों के खिलाफ ताबड़तोड़ एनकाउंटर को अंजाम दिया जा रहा है। 2025 में ही अब 11 एनकाउंटर हो चुके हैं और इसके 142 नक्सली मारे जा चुके हैं। यही नहीं एनकाउंटर के डर से बड़ी संख्या में नक्सली सरेंडर भी कर रहे हैं। कहीं न कहीं नक्सली भी अब मानने लगे हैं कि शांतिवार्ता के माध्यम से इन एनकाउंटर को रोका जा सकता है और इसके लिए वे अब शांति वार्ता चाह रहे हैं।

एक सप्ताह में दूसरी बार नक्सलियों ने की शांतवार्ता की पेशकस, जारी किया प्रेसनोट

गृहमंत्री की दो टूक : हथियार छोड़े और सामने आएं नक्सली

इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सरकार नक्सलियों से बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास नक्सलियों के पुनर्वास के लिए एक स्पष्ट और प्रभावी नीति है। साथ ही उन्होंने नक्सलियों से अपील की कि वे हथियार छोड़कर सामने आएं और बातचीत का रास्ता अपनाएं। गृह मंत्री शर्मा ने कहा, अगर कोई एक व्यक्ति भी बातचीत के लिए तैयार है तो सरकार भी तैयार है। चाहे वह छोटा समूह हो या बड़ा, सरकार हर स्तर पर चर्चा के लिए तत्पर है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह पहल प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में की जा रही है। हालांकि, गृह मंत्री ने यह भी कहा कि बंदूक के जवाब में केवल चर्चा नहीं की जा सकती, जरूरत पड़ने पर सरकार कड़ी कार्रवाई भी करेगी। उन्होंने नक्सल संगठन की ओर से आया पत्र सही और प्रामाणिक बताया। सरकार का मानना है कि शांति वार्ता के जरिए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थायित्व और विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है। नक्सलियों से अपील की गई है कि वे किसी के इंतजार में समय न गंवाएं और वार्ता के लिए आगे आएं।

सप्ताह भर पहले भी की थी शांति वार्ता की मांग

करीब एक सप्ताह पहले भी नक्सलियों ने शांतिवार्ता की मांग की थी। नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी मेंबर अभय ने एक पर्चा जारी कर कहा था कि पिछले 15 महीने में उनके करीब 400 साथी मारे गए हैं। पर्चा जारी का सरकार से सशर्त शांतिवार्ता की पेशकस की। इस दौरान छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार शांति वार्ता के लिए तैयार है लेकिन उनकी कोई शर्त नहीं मानी जाएगी। सरकार ने आत्मसमर्पण के लिए पॉलिसी बनाई है और नक्सली स्वयं सरेंडर करें तो शांतिवार्ता भी होगी।

नक्सल विरोधी अभियान रोकने की मांग

प्रेस नोट के जरिए नक्सलियों के उत्तर-पश्चिम सब जोनल ब्यूरो के प्रभारी रूपेश ने सरकार से नक्सल विरोधी अभियान रोककर अनुकूल माहौल बनाने की मांग की है। रूपेश ने कहा है कि शांतिवार्ता की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने संबंधित निर्णय लेने के लिए हम कुछ नेतृत्वकारी साथियों से मिलना चाहते हैं। नेतृत्व की राय लेनी भी जरूरी है। लगातार चल रहे हैं अभियानों के बीच में यह नहीं हो पाएगा। अनुकूल माहौल के लिए अभियान को रोकना जरूरी है। वार्ता की प्रक्रिया को अंजाम तक पहुंचाने के लिए अनुकूल माहौल बनाना जरूरी है। यह सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार की तरफसे इसका सकारात्मक संकेत मिलेगा तो हम इस पर काम शुरू करेंगे। पर्चे में यह भी लिखा है कि विजय शर्मा ने जो विषय उठाए हैं उन विषयों को वार्ता के एजेंडा में तय कर सकते हैं।

विकास विरोधी नहीं, सुचारू संचालन की है मांग

नक्सली लीडर रूपेश का कहना है कि नक्सली संगठन को विकास विरोधी के रूप में बताया जा रहा है। हम स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी, राशन दुकान, पेयजल, बिजली का विरोध नहीं करते हैं। सुचारू रूप से संचालन करने की मांग किए थे। कर्मचारियों से बार-बार अपील किए थे, प्रत्यक्ष रूप से मिलकर बात किए थे, अभी भी बात कर रहे हैं। पर्चे में यह भी लिखा है कि बस्तर से नेतृत्व दूसरे राज्य में भाग जाने की बात सही नहीं है। नेतृत्व अपनी जिम्मेदारियों के तहत आना-जाना करते हैं। पर्चे में लिखा है कि सरकार की तरफ से सकारात्मक संकेत मिलते ही पूर्ण युद्ध विराम अमल में आएगा। पर्चे में नक्सली लीडर ने अपने कमेटी के कमांडरों से कहा है कि शांतिवार्ता के लिए अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में हमारी गतिविधियां रहनी चाहिए। यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि सरकार अभी तक हमारी मांग को नहीं मानी है। इसलिए सभी नियम और सावधानियां सतर्कता के साथ पालन करें। हम शिकार न बनें। सरकार के रुख पर आधारित होकर हम और स्पष्ट के साथ अपना बयान देंगे।

डीजीपी अरुण गौतम पहुंचे भिलाई, बच्ची की हत्या पर बोले- न्याय दिलाना हमारा काम

■ पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-6 में ली अधिकारियों की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुण देव गौतम बुधवार को भिलाई पहुंचे। डीजीपी ने दुर्ग पुलिस के आला अधिकारियों की बैठक ली और इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। डीजीपी अरुण देव ने इस दौरान जिले में क्राइम कंट्रोल को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विशेषकर जिले में बढ़ रहे अपराधों को लेकर अफसरों को विशेष सतर्कता बरतने व प्रभावी उपाय करने की सलाह दी। इस बीच मीडिया से चर्चा के दौरान दुर्ग में दो दिन पहले मासूम से दुष्कर्म व हत्या को लेकर कहा कि पुलिस का काम न्याय करना है।

बता दें दुर्ग जिले में इन दिनों क्राइम का ग्राफ काफी बढ़ गया है। दो दिन पहले मासूम से दुष्कर्म व उसकी हत्या का मामला सुलझा नहीं कि फिर एक घटना सामने आई। इस बार मुकबधिर बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास हुआ। दो दिन में दो बड़ी घटनाओं के बाद प्रदेश के डीजीपी को लॉ एंड आर्डर की की समीक्षा के लिए दुर्ग आना पड़ा। बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम में डीजीपी अरुण देव गौतम ने अफसरों की बैठक ली। इस दौरान आईजी राम गोपाल गर्ग एसपी जितेन्द्र शुक्ला सहित जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी व थानों के प्रभारी उपस्थित रहे।

अफसरों को दिए विशेष निर्देश

बैठक के दौरान डीजीपी अरुण देव गौतम ने दुर्ग जिले में क्राइम कंट्रोल को लेकर विशेष दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने

पेंडिंग मामलों से लेकर बढ़ते अपराध को नियंत्रित करने अधिकारियों को निर्देश दिया। अरुण देव ने जिले के सभी थानों क्राइम कंट्रोल पर चर्चा कर सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया। अपराध नियंत्रण को लेकर डीजीपी ने सभी थानों की जिम्मेदारी की सराहना की और इसे और बेहतर तरीके से करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

महादेव एप के सवाल पर चुप्पी साध गए डीजीपी

बैठक के बाद डीजीपी अरुण गौतम ने मीडिया से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने दुर्ग में मासूम के साथ दुष्कर्म व हत्या को लेकर पुलिस कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि न्याय दिलाना हमारा काम है और इस मामले में दुर्ग पुलिस ने बेहतर काम किया है। इस बीच डीजीपी ने नशाखोरी को लेकर भी बात की और इस पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर चर्चा की। डीजीपी अरुण देव से जब महादेव ऐप सट्?टा को लेकर बात की गई तो उन्होंने टाल दिया। नक्सलवाद को लेकर सवाल पर भी वे चुप्पी साध गए।

कई वाहनों और मवेशियों को कुचलने के बाद पलटी हाइवा

■ पुरैना चौक से पाटन रोड के लोहरसी तक दिखा खौफनाक मंजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लगभग 20 किमी तक सड़क पर कई वाहन और मवेशियों को कुचलने के बाद राखड़ से भरी एक हाइवा अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दौरान भिलाई-3 के नजदीक पुरैना चौक से सिरसा कला, मोतीपुर होकर पाटन रोड के लोहरसी गांव तक खौफनाक मंजर देखने को मिला। लोगों की सूचना पर हाइवा को रोकने अमलेश्वर पुलिस के साथ सौ से भी ज्यादा ग्रामीणों ने पीछा किया। हाइवा का चालक रोकने के हर इशारे को अनदेखी करता पूरी रफ्तार से भागता रहा। आखिरकार लोहरसी के पास हाइवा पलट गई तो सभी ने राहत की सांस ली।

बीते कल देर शाम हाइवा क्रमांक सीजी 07 बीसी 5744 एनएसपीसीएल पुरैना पावर प्लांट के राखड़ बांध से निकली थी। हाइवा को खुर्सीपार भिलाई निवासी जीवन दीप सिंह चला

रहा था। राखड़ से भरी हाइवा से पुरैना चौक के पास ट्रक को ठोकर लग गई। ट्रक चालक गुस्से में आकर हाइवा को रोकने का इशारा किया। लेकिन चालक जीवन दीप सिंह ने हाइवा को सिरसा कला गांव के रास्ते तेजी से बढ़ा दिया। तेज रफ्तार हाइवा ने सिरसा कला चौक के पास खड़ी हरियर और सफारी चार पहिया वाहन सहित एक स्कूटी को जबरदस्त ठोकर मारकर पूरी रफ्तार से औंधी की तरफनिकल गई। आगे औंधी में एक मोटर साइकिल और सड़क पर खड़े कुछ मवेशियों को हाइवा ने कुचल दिया। मोतीपुर चौक से पहले भी मवेशियों को चपेट में लेने के बाद तर्रा में पुलिस द्वारा गति नियंत्रण के लिए लगाए गए स्टापर को हाइवा ने उड़ा दिया। राखड़ बांध से निकलने वाली हाइवा सिरसा कला, औंधी, औंरी, मोतीपुर होकर पाटन रोड से भारत माला परियोजना के तहत हो रहे सड़क निर्माण स्थल की ओर जाती है। लिहाजा हाइवा की रफ्तार देख सिरसा कला के ग्रामीणों ने मोतीपुर के पास हाइवा को रोकने अमलेश्वर पुलिस को सूचना दी। वहीं सिरसा कला सहित रास्ते के अन्य गांव के सौ से अधिक लोग हाइवा का पीछा करने लगे। अमलेश्वर पुलिस की टीम भी मोतीपुर के पास हाइवा का इंतजार करने लगी। हाइवा जब वहां पहुंची तो पुलिस ने रोकने का इशारा किया। लेकिन चालक पुलिस के इशारे को अनदेखी कर आगे बढ़ गया। पुलिस वाले किसी तरह अपने आपको बचाने में सफल हुए। मोतीपुर से पाटन रोड पर तर्रा और लोहरसी के बीच मोड़ पर हाइवा अनियंत्रित होकर पलट गई। यह जगह पाटन थाना के दायरे में आता है। सूचना पर पहुंची पाटन पुलिस ने हाइवा के चालक को निकाला और जिला अस्पताल दुर्ग में भर्ती कराया है।

बच्चों के बायोमैट्रिक आधार अपडेट की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय सम्मान

रायपुर। आधार सेवाओं के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। राज्य में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के बायोमैट्रिक आधार अपडेट की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। यह सम्मान आज नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित आधार संवाद कार्यक्रम में दिया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के डिप्टी डायरेक्टर जनरल तेनतु सत्यनारायण द्वारा यह सम्मान छत्तीसगढ़ को प्रदान किया गया। राज्य की ओर से छत्तीसगढ़ सदन के मनीष जोशी ने यह सम्मान ग्रहण किया।

यह सम्मान छत्तीसगढ़ सरकार की डिजिटल सेवाओं को सुदृढ़ एवं जन सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभात मलिक ने बताया कि राज्य में 5 से 7 एवं 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के अनिवार्य बायोमैट्रिक अपडेट की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए यह सम्मान मिला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशों के अनुरूप चिप्स द्वारा विगत एक वर्ष में राज्य के दूरस्थ एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 944 विशेष आधार शिविरों का आयोजन किया गया है, जिनमें 38,762 नागरिकों का आधार पंजीयन एवं अद्यतन किया गया।

किस सनातन की बात कर रहे हैं लोग

श्रीकंचनपथ

दिल्ली के सीआर पार्क इलाके में कुछ लोग मांस मछली के दुकानदारों को धमका रहे हैं। उनका कहना है कि ये दुकानें मंदिर के पास हैं। उनका सनातन कहता है कि मंदिर के साथ मछली बाजार नहीं होना चाहिए। मंदिर का परिसर शुद्ध रहना चाहिए। सनातन धर्म यह कहता है कि हम किसी को काट नहीं सकते। वो देवी को मीट चढ़ाने की बात को मनगढ़ंत बता रहे हैं। उनका कहना है कि शास्त्रों में इसका कोई प्रमाण नहीं है। सनातनियों की पैरोकारी करते हुए वो यह भी कहते हैं कि इससे सनातनियों को ठेस पहुंच रही है। उनका यह भी कहना है कि डीडीए ने भले ही दुकानों को यहां अलॉट किया हो पर अब इस गलती को सुधारा जाएगा। उनका कहना है कि सीआर पार्क एक आलीशान इलाका है जहां विदेशी भी आते हैं और यह सब देखते हैं। इस नए विवाद का सिर पैर ढूंढना मुश्किल नहीं है। इन दिनों मांसाहार का विरोध करना एक फैशन की तरह हो गया है। जो इसका विरोध कर रहे हैं उन्हें दरअसल, भारत के बारे में ज्यादा नहीं पता। भारत में शाकाहारियों की संख्या 25 फीसद से भी कम है। इनमें से लगभग आधे वीगन हैं जबकि एक छोटी आबादी एथिकल वीगन्स की भी है। एथिकल वीगन्स वो हैं जो किसी भी पशु उत्पाद का उपयोग नहीं करते, अर्थात दूध, दही, घी, मक्खन, चमड़े के बेल्ट, जूते अथवा पर्स से भी परहेज करते हैं। पर इसके अलावा शेष आबादी को मांसाहार से कोई दिक्कत नहीं है। हालांकि इनमें से बड़ी संख्या में लोग विशेष अवसरों पर शाकाहार के नियमों का पालन करते हैं। तब वे साधारण नमक के इस्तेमाल से भी परहेज करते हैं। दरअसल, यह कोई बहस का विषय ही नहीं है। खान पान लोगों की अपनी च्वाइस होती है। भारत की प्राचीन गुफाओं में मिले शिकार के भित्तीचित्र भी इस का प्रमाण देते हैं कि शिकार करना और मांस खाना भारत में प्राचीन समय से ही चलन में है। नवरात्रि में जहां उत्तर पश्चिम भारत व्रत करता है वहीं पश्चिम बंगाल, असम और ओडिशा में यह बेटी के सपरिवार घर आने का पर्व है। वहां दुर्गा अष्टमी पर पशु बलि की प्रथा रही है। समय के साथ इसमें परिवर्तन हुए और रखिये की बलि दी जाने लगी। शास्त्रों का तो पता नहीं पर भारत में पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 के तहत पशुओं की हत्या पर प्रतिबंध है। पर जहां मांस-मछली जनजीवन का हिस्सा है या इसके धार्मिक पक्ष हैं, वहां इसकी अनुमति होती है। भारत ब्राजील के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बीफनिर्यातक है। यह लाखों लोगों की आजीविका है। बंगाल के साथ ही मिथिलांचल एवं अन्य राज्यों में मछली को शुभ माना जाता है। यह उनके रीति रिवाजों का भी हिस्सा है। किसी को कोई हक नहीं बनता कि वह अपनी इच्छा को इस तरह दूसरों पर थोपे।

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

संपादकीय

भारत-चीन रिश्तों में सुधार के संकेत

आ कूटनीतिक जगत में भारत-चीन संबंधों में सुधार को लेकर काफी चर्चा है। 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी में हुए घटनाक्रम के बाद पिछले वर्ष अक्टूबर में रूस में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी।

इस बैठक में दोनों शीर्ष नेताओं ने सीमा पर तनाव कम करने और द्विपक्षीय संबंधों को पटरी पर लाने का प्रयास किया था। विवाद के कुछ क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी जरूर हुई लेकिन अन्य मामलों में प्रगति नहीं हुई। इधर, अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद दुनिया में बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ट्रंप प्रशासन के फैसलों से अमेरिका की घरेलू राजनीति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नक्शा बदल रहा है। अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच तनातनी बढ़ रही है तो दूसरी ओर राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति पुतिन के बीच जुगलबंदी आकार ले रही है। इस बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत और चीन ने कुछ लचीला रुख अपनाया है जिससे आशा बंधती है कि द्विपक्षीय संबंध पटरी पर आ सकते हैं। एक अप्रैल, 1950 को दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंध हुआ था। नई दिल्ली और बीजिंग के कूटनीतिक रिश्तों के 75 वर्ष पूरे होने पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच शुभकामनाओं और पारस्परिक रिश्तों को और बेहतर बनाने के संदेशों का आदान-प्रदान हुआ।

> राष्ट्रपति जिनपिंग ने भारतीय राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु को प्रेषित अपने संदेश में दोनों देशों के रिश्तों के द्योतक ड्रैगन और हाथी के बीच बेहतर तालमेल बनाने की बात की जबकि राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत और चीन के बीच स्थाई, स्थिर और सौहार्दपूर्ण संबंध का फायदा नई दिल्ली और बीजिंग के अलावा पूरी दुनिया को मिलेगा।

राष्ट्रपति जिनपिंग ने भारतीय राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु को प्रेषित अपने संदेश में दोनों देशों के रिश्तों के द्योतक ड्रैगन और हाथी के बीच बेहतर तालमेल बनाने की बात की जबकि राष्ट्रपति मुमरु ने कहा कि भारत और चीन के बीच स्थाई, स्थिर और सौहार्दपूर्ण संबंध का फायदा नई दिल्ली और बीजिंग के अलावा पूरी दुनिया को मिलेगा। वैश्विक मामलों के जानकार किशोर मेहबुबानी का विश्वास है कि अतीत की तरह दोनों देशों के सामने फिर से दुनिया का सिरमौर बनने का अवसर है। लेकिन दोनों ने आपसी संघर्ष का रास्ता अख्तियार किया तो वे यह अवसर गंवा सकते हैं। वास्तव में यह दावा तो कोई नहीं कर सकता कि हाल-फिलहाल भारत और चीन की समस्याओं का स्थायी समाधान हो जाएगा लेकिन दोनों देश जिस रास्ते पर चल रहे हैं, उससे यह आशा जरूर बंधती है कि भविष्य में सैन्य संघर्ष की स्थिति नहीं बनेगी।

भारत से अमेरिका को आधे से अधिक निर्यात फार्मा प्रोडक्ट्सग जेम्स और ज्वेलरी और टेलीकॉम प्रोडक्ट्स का है, जिसमें से जेम्स और ज्वेलरी के निर्यात पर अधिक असर पड़ने की संभावना है। अरबों डॉलर का भारत का फार्मा उद्योग ट्रंप के टैरिफसे बच गया है। कुल मिला कर भारत अमेरिका की नई टैरिफ नीति से उतना प्रभावित नहीं हुआ है, जितना दुनिया के और बहुत सारे देश। इसका प्रमुख कारण यह भी है कि भारत का अपना बाजार बहुत बड़ा है।

कहर बरपाती ट्रंप की नीति

प्रो. लल्लन प्रसाद

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आम बात हैग शेयरों की कीमतें कभी आसमान छूने लगती हैं, शेयर धारकों को मालामाल कर देती हैंग जब तेजी से गिरती हैं, कंगाल कर देती हैं। लंबी अवधि में कुल मिला कर कीमतों का ग्राफ ऊपर चढ़ता दिखाई देता है। 2000-01 में बीएसई का औसत सूचकांक 5542 था जो 2024-25 में 85978 तक पहुंच गया। वैश्विक और आंतरिक, आतथक और राजनीतिक परिस्थितियां शेयर बाजार को प्रभावित करती हैं। विपरीत परिस्थितियों में शेयर कीमतों में गिरावट होती हैग भारी गिरावट शेयरधारकों की गाढ़ी कमाई पर पानी फेर देती है। शेयर कीमतों में गिरावट के कारण अमेरिकी शेयर बाजार में निवेशकों को 5 ट्रिलियन डॉलर, एशियाई बाजारों में 9 ट्रिलियन डॉलर और भारतीय शेयर बाजार में 14 लाख करोड़ रु पये के नुकसान का अनुमान है। स्थिति में सुधार न हुआ तो नुकसान बढ़ता जाएगा।

राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिका पहले की नीति पर चल रहे हैं। अमेरिका को उसका खोया गौरव दोबारा वापस दिलाने, सबसे शक्तिशाली और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए उन्होंने नई टैरिफ नीति की घोषणा की जो जैसे को तैसा के सिद्धांत पर आधारित है। उनका मानना है कि अमेरिका दूसरे देशों से आने वाले माल पर बहुत कम टैरिफ चार्ज करता है, जबकि अधिकांश देश उससे आयात पर भारी टैरिफ लगाते हैं, जिसके कारण अमेरिका का व्यापार घाटा दिनों दिन बढ़ता जा रहा है, बड़ी-बड़ी अमेरिकी कंपनियों ने चीन, जापान, कोरिया, ताइवान और अन्य देशों में कारखाने लगा दिए हैं। अमेरिका एक उत्पादक देश न रह कर आयात पर निर्भर देश बन गया है। उसकी अर्थव्यवस्था नंबर दो पर आ गई है, चीन उससे आगे निकल गया है। चीन के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 24 लाख करोड़ रु पये तक पहुंच चुका है। भारत के साथ भी उसका व्यापार घाटा है। ट्रंप का मानना है कि भारत विश्व के उन देशों में है जो हमसे सबसे अधिक टैरिफ चार्ज करता है, हम उसके आयात पर बहुत कम टैरिफ लगाते हैं। 3 अप्रैल, 2025 को उन्होंने 60 देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की। भारतग जो उनके अनुसार अमेरिकी आयात पर औसतन 54 प्रतिशत टैरिफ चार्ज करता है, पर उन्होंने 27 प्रतिशत टैरिफ लगाया। भारत सहित अधिकांश देशों पर उन्होंने अपने आयात पर चार्ज होने वाले टैरिफसे 50 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की। 72 प्रतिशत-97 प्रतिशत तक टैरिफ चार्ज करने वाले देशों-थाईलैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका, वियतनाम और कंबोडिया पर 36 प्रतिशत-49 प्रतिशत तकग चीन-जो अमेरिकी आयात पर 67 प्रतिशत टैरिफ चार्ज करता है-पर 34 प्रतिशत, 50 प्रतिशत-64 प्रतिशत तक टैरिफ चार्ज करने वाले देशों-दक्षिण कोरिया, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और ताइवान पर 25 प्रतिशत-32 प्रतिशत तक, यूरोपीय यूनियन के देशों द्वारा औसतन 39 प्रतिशत टैरिफ के बदले उन्होंने 20 प्रतिशत, 5 अप्रैल, 2025 से लागू करने की घोषणा की।

ज्ञातव्य है कि दूसरे देशों द्वारा जो टैरिफ चार्ज किया जाता है वह वास्तविक टैरिफदर नहीं हैग बल्कि अमेरिका का जो व्यापार घाटा है उसके आधार पर यह उनके द्वारा अनुमानित टैरिफ है। उनका मानना है कि इससे अमेरिकी घाटे की पूतत होगी। दोनों ओर से टैरिफ बराबर हो जाएगा। इससे अमेरिका में उत्पादन को बढ़ावा मिलेगाग अमेरिकी कंपनियां अपने देश में अधिक निवेश करेंगीग नये रोजगार पैदा होंगे, अमेरिका का निर्यात बढ़ेगा और आयात में कमी आएगीग कुछ देशों द्वारा अनुचित व्यापार व्यवहार (जैसे चीन द्वारा डंपिंग) पर रोक लगेगी और अमेरिकी सुरक्षा के लिए भी यह बेहतर होगा।

राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ नीति पर पूरे विश्व में तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। सबसे तीखी प्रतिक्रिया चीन की ओर से आई। चीन ने कई ऐसे पदार्थ और उत्पादों के अमेरिका को निर्यात पर रोक या भारी टैरिफ की बात कही जो अमेरिका के औद्योगिककरण के लिए महद्मवपूर्ण हैंग और जिनका चीन सबसे बड़ा सप्लायर है। अमेरिका की 11 बड़ी कंपनियों को उस लिस्ट में डाल दिया गया हैग जिन पर भरोसा नहीं किया जा सकता जिनमें ड्रोन बनाने वाली कंपनी भी शामिल है। चीन की प्रतिक्रिया से भड़के ट्रंप ने चीन पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दे डाली।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने ट्रंप की टैरिफ नीति को भौगोलीयकरण का अंत कहा। उनके अनुसार हम जिस दुनिया को जानते थे, वह अब खत्म हो चुकी है, देशों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, घरेलू उत्पादन बढ़ाने के प्रयास होंगे। इस मुश्किल का सामना करने के लिए सब देशों को तैयार हो जाना चाहिए। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने भी कहा कि ग्लोबलाइजेशन का दौर अब खत्म हो गयाग दुनिया नये युग में प्रवेश कर रही है जो खतरनाक है, ट्रेड वार का जन्म हो गया है, सप्लाई ल्मृंखला प्रभावित होगी और आतथक अस्थिरता बढ़ेगी। कनाडा के प्रधानमंत्री ने इस विषय पर विश्व व्यापार संगठन का दरवाजा खटखटाने की बात कही है जिसका अस्तित्व ही अब खतरे में है।

अधिकांश देश अमेरिका के साथ द्विपक्षीय समझौते का प्रयास कर रहे हैं, जिनमें भारत भी शामिल है। यूरोपीय यूनियन ने ट्रंप के सामने शून्य टैरिफ का प्रस्ताव रखा हैग जिसका तात्पर्य है कि दोनों ओर से कोई टैरिफ नहीं चार्ज किया जाए। भारत की प्रतिक्रिया संयमित और संतुलित है। अमेरिका के साथ उसकी बात चल रही है और आपसी समझौते का प्रयास किया जा रहा है जो दोनों देशों के लिए हितकर हो।

भारत से अमेरिका को आधे से अधिक निर्यात फार्मा प्रोडक्ट्स, जेम्स और ज्वेलरी और टेलीकॉम प्रोडक्ट्स का हैग जिसमें से जेम्स और ज्वेलरी के निर्यात पर अधिक असर पडऩे की संभावना है। अरबों डॉलर का भारत का फार्मा उद्योग ट्रंप के टैरिफ से बच गया है। टेलीकॉम प्रोडक्ट्स, ऑयल एंड गैसग टैक्सटाइल्स और ऑटो पार्ट्स के निर्यात पर असर पड़ सकता है। टैरिफ बढ़ने से इनका निर्यात महंगा हो जाएगा। कृषि उत्पादों एवं समुद्री खाद्य पदार्थों के आयात पर भी अमेरिका ने टैरिफ बढ़ा दिए हैं किंतु उनका बहुत असर भारत पर नहीं पड़ने वाला क्योंकि अन्य देशों, जो इनकी सप्लाई करते हैं, पर भारत से भी अधिक टैरिफ लगाया गया है। भारतीय डेयरी प्रोडक्ट्स का बाजार अमेरिका में बढ़ सकता है। कुल मिलाकर भारत अमेरिका की नई टैरिफ नीति से उतना प्रभावित नहीं हुआ है, जितना दुनिया के और बहुत सारे देश। इसका प्रमुख कारण यह भी है कि भारत का अपना बाजार बहुत बड़ा है। निर्यात पर उसकी निर्भरता अपेक्षाकृत कम है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

राज्यपाल पर लगाम

सर्वोच्च न्यायालयय ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल के मामले में जो फैसला दिया हैग वह कई अर्थों में एक निर्णायक फैसला है जिसने तमिलनाडु के वर्तमान राज्यपाल आर. एन. रवि की भूमिका को न केवल कड़ी आलोचना के घेरे में खड़ा कियाग बल्कि उसे सीमित भी कर दिया। इस फैसले ने राज्यपालों द्वारा विशेषकर उन राज्यों में जहां केंद्र सरकार के विरोधी दलों की सरकारें हैं, सरकारों पर मनमानी तरीके से अपने अधिकारों द्वारा अंकुश लगाने के प्रयासों को लगभग समाप्त कर दिया है। राज्यपाल की भूमिका को सीमित तो कर दिया है, साथ ही उसे नियमबद्ध भी कर दिया है। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा है कि राज्यपाल संवैधानिक तरीके से जनता द्वारा चुनी गई सरकार के विधिवत पारित विधेयकों को स्वीकृति देने के मामले में अनिश्चित अवधि तक लंबित नहीं रख सकते। अब आगे से कोई राज्यपाल किसी भी पारित विधेयक को एक महीने से अधिक अपने पास लंबित नहीं रख सकता। अगर यह विधेयक राज्यपाल के द्वारा वापस कर दिया जाता है, और पुर्नर्विचार के लिए पुन: उसके पास आता है तो वह उसे राष्ट्रपति को भी नहीं भेज सकते। राष्ट्रपति को वह पहली बार में ही भेज सकेंगे। अगर निश्चित अवधि के बाद भी कोईविधेयक लंबित रखा जाता है तो उसे स्वत: स्वीकृत मान लिया जाएगा। इस बिना पर अदालत ने तमिलनाडु सरकार द्वारा पारित वे सभी विधेयक जिन्हें राज्यपाल ने अपने पास दबा रखा था, स्वीकृत मान लिए जाएंगे। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से यह तो तय है कि अब कोईभी विधेयक राज्यपाल की मनमर्जी की जकड़बंदी की गिरफ्त में नहीं रहेगा। शीर्ष अदालत ने इस समुचित प्रक्रिया को समयबद्ध और सीमाबद्ध करके निश्चित तौर पर एक बड़ा काम किया है और इससे राज्यपाल तथा राज्य सरकारों के बीच उठने वाले विलंब संबंधी विवादों पर रोक लगेगी। लेकिन भविष्य में इस पर नजर रखनी होगी कि ऐसी सूरत में जब केंद्र में किसी और दल की सरकार हो और राज्य में किसी और दल की तो राज्य सरकारें अपने राजनीतिक मतभेदों के चलते इस नवनिर्धारित प्रक्रिया का दुरुळपयोग न करें। केंद्र सरकार को भी यह ध्यान में रखना होगा कि राज्य पर नियंत्रण रखने के लिए राज्यपाल रूपी हथियार की मारक क्षमता बहुत सीमित कर दी गई है। उसे भी राज्य के साथ अनावश्यक टकराव को टालना होगा अन्यथा सर्वोच्च न्यायालय का जो फैसला सराहनीय और स्वागतयोग्य लग रहा है, वह विपरीत परिणाम देने वाला सिद्ध न हो।

चकल्लस चयन का

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने देश भर के कुलपतियों और प्राचार्यों को पत्र लिखा है कि वे पद्म पुरस्कारों के लिए आवेदन करें। पद्म विभूषणग पद्म भूषण और पद्मश्री कलाग साहित्यग शिक्षाग खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्योंफ विज्ञान, इंजीनियरिंग, सार्वजनिक मामलों, व्यापार, उद्योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों/सेवा के लिए प्रति वर्ष प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कार के लिए नामांकन/सिफारिशों की जानकारी इस राष्ट्रीय पुरस्कार से संबंधित पोर्टल पर उपलब्ध हैं। बीते 15 मार्च से शुरू हुई यह प्रक्रिया 31 जुलाई तक चलेगी। पद्म पुरस्कारों की घोषणा प्रति वर्ष गणतंत्र दिवस पर की जाती है। आजादी के बाद 1954 में भारत रत्न और पद्म विभूषण का गठन किया गया था। बाद में पद्म पुरस्कार को तीन श्रेणियों में बांटा गया। सभी नामांकन समिति के समक्ष पेश किए जाते हैं, जिसका गठन प्रधानमंत्री द्वारा हर साल किया जाता है। समिति की अध्यक्षता कैबिनेट सचिव द्वारा की जाती है। नियमानुसार देश का कोई भी नागरिक इस पुरस्कार के योग्य होता है। उसने देश की सेवा या विकास में योगदान कैसे किया है, इस पर चयन निर्भर करता है। उम्मीद की जा सकती हैग आयोग द्वारा जारी किए गए इस पत्र के बाद शिक्षा में विशिष्ट योगदान करने वाले उन तमाम शिक्षकों की उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया जा सकेगा जो अब तक हाशिए पर रहे हैं। हालांकि इस तरह के चुनाव में हर क्षेत्र के शीर्ष विभाग को पहल करने के प्रयास करने चाहिए। हालांकि आलोचक इसकी चयन प्रक्रिया पर पहले भी प्रश्न चिह्न लगाते रहे हैं क्योंकि सत्ताधारी दल योग्यता को मान्यता देने की बजाय विचारधारा को प्राथमिकता देते पाए जाते हैं जिससे इस सम्मान के प्रति जनता का रुझान कमजोर भी पड़ा है। बावजूद इस आरोप के यह स्वीकारा जाना चाहिए कि मोदी सरकार के कार्यकाल में सम्मानित सदस्यों में कुछेक खदानों से खोजे गए हीरे भी देश के समक्ष नजर आएं। पुरस्कारों की गरिमा और विशिष्टता बनाए रखने का काम चयन समिति को बिना लाग-लपेट के करने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए। उम्मीदवारों के आवेदन का दायरा बढ़ाए जाने का लाभ तभी संभव है, जब सत्ताधारी दल पारदर्शिता बनाए रखने में सहयोगी बने रहें और पूर्वाग्रहों से ऊपर उठ कर देश के विशिष्ट सम्मान की गरिमा का विशेष ख्याल रखना सीख जाएं।

प्राकृतिक आपदाओं के समक्ष मनुष्य बेबस

योगेश कुमार गोयल

म्यांमार में 28 मार्च को रिक्टर स्केल पर आए 7.7 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई। म्यांमार और थाईलैंड में यह 200 साल का सबसे भीषण भूकंप बताया गया।

यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे द्वारा मौतों का आंकड़ा 10 हजार से भी ज्यादा होने की आशंका जताई गई है। भूकंप के झटके थाईलैंड, बांग्लादेश, चीन और भारत तक महसूस किए गए। भूकंप के कारण म्यांमार की दुर्दशा को देखते हुए भारत में भी लोगों के मन में सवाल उमड़ रहे हैं कि कहीं देश के विभिन्न हिस्सों में बार-बार कांपती धरती किसी बड़ी तबाही का सिग्नल तो नहीं है। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के एक अध्ययन में बताया जा चुका है कि 20 भारतीय शहरों तथा कस्बों में भूकंप का खतरा सर्वाधिक है, जिनमें दिल्ली सहित नौ राज्यों की राजधानियां भी शामिल हैं।

हिमालयी पर्वत श्रृंखला क्षेत्र को दुनिया में भूकंप के मामले में सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में जमीन के नीचे दिल्ली-मुरादाबाद फॉल्ट लाइन, मथुरा फॉल्ट लाइन तथा सोहना फॉल्ट लाइन मौजूद है। जहां फॉल्ट लाइन होती है, भूकंप का अधिकेंद्र वहीं बनता है। बड़े भूकंप फॉल्ट लाइन के किनारे ही आते हैं, और दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरी हिमालयन बेल्ट को भूकंप से ज्यादा खतरा है। एनसीएस के पूर्व प्रमुख डॉ. एके शुक्ला के मुताबिक, उत्तर भारत में हिमालयन बेल्ट से ज्यादा खतरा है, जहां 8 की तीव्रता वाले भूकंप आने की शंका है। हालांकि ज्यादा तीव्रता का बड़ा भूकंप आने की आशंकाओं के बारे में वैज्ञानिकों का कहना है कि सटीक अनुमान लगाना संभव नहीं है कि यह कब आ सकता है। दरअसल, भूकंप के सटीक पूर्वानुमान का अब तक न कोई उपकरण है, और न ही कोई मैकेनिज्म।

राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के वैज्ञानिक हालांकि बार-बार धरती के कांपने को लेकर अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन उनका कहना है कि भू-जल का गिरता स्तर भी प्रमुख वजह के रूप में सामने आ रहा है जबकि अन्य कारण भी तलाशे जा रहे हैं। वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, देहरादून तथा आईआईटी, कानपुर भी दिल्ली तथा आसपास के इलाकों का अध्यनन करते हुए एनसीएस की मदद कर रहे हैं। दिल्ली एनसीआर को तो भूकंप के लिहाज से काफी संवेदनशील इलाका माना जाता है, जो दूसरे नंबर के सबसे खतरनाक सिस्मिक जोन-4 में आता है। एक अध्ययन के मुताबिक, दिल्ली में करीब 90 फीसद मकान कंक्रीट और सरिये से बने हैं, जिनमें से 90 फीसदी इमारतें रिक्टर स्केल पर छह तीव्रता से तेज भूकंप को झेलने में समर्थ नहीं हैं। एनसीएस के एक अध्ययन के अनुसार दिल्ली का करीब 30 फीसद हिस्सा तो जोन-5 में आता है, जो भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक रिपोर्ट में भी बताया जा चुका है कि दिल्ली में बनी नई इमारतें 6 से 6.6 तीव्रता के भूकंप को झेल सकती हैं जबकि पुरानी इमारतें 5 से 5.5 तीव्रता का भूकंप ही सह सकती हैं। विशेषज्ञ बड़ा भूकंप आने पर दिल्ली में जान-माल का ज्यादा नुकसान होने का अनुमान इसलिए भी लगा रहे हैं क्योंकि दिल्ली में प्रति वर्ग किमी. में करीब दस हजार लोग रहते हैं, और कोई भी बड़ा भूकंप 300-400 किमी. की रेंज तक असर दिखाता है। भूकंप के झटकों को लेकर दुनिया भर के भूगर्भशास्त्रियों तथा भूकंप विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय धरती की टेक्टोनिक प्लेटें खिसक रही हैं, और उन्हीं के कारण इतने भूकंप आ रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक कई बार जब दो टेक्टोनिक प्लेटों के बीच में बनी गैस या प्रेशर रिलीज होता है, तब भी भूकंप के झटके आते हैं। गर्मियों में यह स्थिति ज्यादा देखने को मिलती है। हिमालय में बड़े भूकंप की आशंका जताते हुए वैज्ञानिक कह चुके हैं कि हिमालय पर्वत श्रृंखला में सिलसिलेवार भूकंपों के साथ कभी भी बड़ा भूकंप आ सकता है, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर आठ से भी ज्यादा हो सकती है।

भूकंप वैज्ञानिकों के अनुसार 8.5 तीव्रता वाला भूकंप 7.5 तीव्रता के भूकंप के मुकाबले करीब 30 गुना ज्यादा शक्तिशाली होता है। भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समक्ष हालांकि मनुष्य बेबस है क्योंकि ये आपदाएं बगैर चेतावनी के आती हैं, जिससे इनकी मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाती है लेकिन हम ऐसे प्रबंध तो कर ही सकते हैं, जिनसे भूकंप आने पर नुकसान की आशंका न्यूनतम रहे। जापान ऐसा देश है जहां सबसे ज्यादा भूकंप आते हैं, लेकिन उसने भवन निर्माण और बुनियादी सुविधाओं का ऐसा मजबूत ढांचा विकसित कर लिया है, जिससे भूकंपों के कारण कम नुकसान होता है। रिक्टर स्केल पर 5 तक की तीव्रता वाले भूकंप को खतरनाक नहीं माना जाता लेकिन यह भी क्षेत्र की संरचना पर निर्भर करता है। इसीलिए विशेषज्ञों का कहना है कि नई इमारतों को भूकंपरोधी बना कर तथा पुरानी इमारतों में अपेक्षित सुधार कर जान-माल के बड़े नुकसान से बचा जा सकता है।

वक्फ अधिनियम में संशोधन

विनीत नारायण

वक्फ संशोधन बिल, जिसे हाल में भारतीय संसद में पेश किया गया और 2-3 अप्रैल, 2025 को लोक सभा और राज्य सभा से पारित किया गया, देश में गहन बहस का विषय बन गया है। यह बिल 1995 के वक्फ अधिनियम में संशोधन करने और वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को अधिक पारदर्शी और समावेशी बनाने का दावा करता है। सरकार इसे प्रगतिशील कदम के रूप में पेश कर रही है, जबकि विपक्ष और कई मुस्लिम संगठन इसे धार्मिक स्वायत्तता पर हमला मानते हैं। इस लेख में हम इस बिल के समर्थन और विरोध के तकरे को तटस्थ दृष्टिकोण से देखेंगे और इसके संभावित प्रभावों का आकलन करेंगे।

वक्फ इस्लामी परंपरा है जिसमें कोई व्यक्ति अपनी संपत्ति को धार्मिक, शैक्षिक या परोपकारी उद्देश्यों के लिए समर्पित कर देता है। भारत में वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन 1995 के वक्फ अधिनियम के तहत होता है, जिसके अंतर्गत राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद कार्य करते हैं। वक्फ संशोधन बिल, 2024 में कई बदलाव प्रस्तावित हैं, जैसे वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम और महिला सदस्यों की अनिवार्यता, संपत्ति सर्वेक्षण के लिए कलेक्टर की भूमिका और विवादों में हाई कोर्ट की अपील का प्रावधान। सरकार का कहना है कि यह बिल वक्फ पण्राली में पारदर्शिता और जवाबदेही लाएगा जबकि विरोधी इसे वक्फ की मूल भावना के खिलाफ मानते हैं। इस बिल का समर्थन करने वालों का कहना है कि वक्फ बोडरे में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन की शिकायतें लंबे समय से चली आ रही हैं।

देश में 8.7 लाख से अधिक वक्फ संपत्तियां हैं, जिनकी कीमत लगभग 1.2 लाख करोड़ रु पये आंकी गई है, लेकिन इनका उपयोग गरीब मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए प्रभावी ढंग से नहीं हो पा रहा। कलेक्टर द्वारा संपत्ति सर्वेक्षण और रिकॉर्ड डिजिटलीकरण जैसे प्रावधानों से इन संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन संभव होगा। बिल में वक्फ बोर्ड में कम से कम दो महिलाओं और गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने का प्रावधान भी है। समर्थकों का तर्क है कि इससे बोर्ड में लैंगिक और सामाजिक समावेशिता बढ़ेगी। विशेष रूप से पसमांदा मुस्लिम समुदाय, जो सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़ा है, इस बिल का समर्थन करता है, क्योंकि उनका मानना है कि मौजूदा व्यवस्था में धनी और प्रभावशाली लोग वक्फ संपत्तियों पर कब्जा जमाए हुए हैं।

पहले वक्फ ट्रिब्यूनल का फैसला अंतिम माना जाता था, जिसे अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती थी। नये बिल में हाई कोर्ट में अपील का अधिकार दिया गया है, जिसे समर्थक संविधान के अनुरूप और न्यायसंगत मानते हैं। उनका कहना है कि इससे वक्फ बोर्ड के मनमाने फैसलों पर अंकुश लगेगा। बिल में यह शर्त भी जोड़ी गई है कि बिना दान के कोई संपत्ति वक्फ की नहीं मानी जाएगी। समर्थकों का कहना है कि इससे उन मामलों में कमी आएगी जहां वक्फ बोर्ड बिना ठोस सबूत के संपत्तियों पर दावा करता था, जिससे आम लोगों को परेशानी होती थी।

वहीं इस बिल के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और विपक्षी दलों का कहना है कि यह बिल वक्फ की मूल भावना को कमजोर करता है।

वक्फ धार्मिक परंपरा है और इसमें गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना इसकी पवित्रता को नुकसान पहुंचाएगा। बिल में कलेक्टर को वक्फ संपत्तियों का सर्वेक्षण करने और उनकी स्थिति तय करने का अधिकार दिया गया है। विरोधियों का कहना है कि यह सरकारी हस्तक्षेप है, जो वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता को खत्म कर देगा। उनका तर्क है कि कलेक्टर, जो ज्यादातर गैर-मुस्लिम हो सकता है, वक्फ के धार्मिक महत्त्व को नहीं समझ पाएगा। विपक्ष का दावा है कि यह बिल संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का उल्लंघन करता है, जो धार्मिक स्वतंत्रता और धार्मिक संस्थाओं के प्रबंधन का अधिकार देता है। उनका कहना है कि वक्फ एक इस्लामी परंपरा है, और इसमें सरकारी दखल अल्पसंख्यक अधिकारों पर हमला है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य संगठनों ने बिल के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किए हैं। ईद और जुमातुल विदा जैसे अवसरों पर काली पट्टी बांध कर नमाज पढ़ने की अपील इसका उदाहरण है। विरोधियों का कहना है कि यह बिल मुस्लिम समुदाय को अपने ही धर्म से दूर करने की साजिश है।

वक्फ संशोधन बिल के लागू होने से कई सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। यदि यह पारदर्शिता और समावेशिता को बढ़ाता है, तो वक्फ संपत्तियों का उपयोग गरीब मुस्लिमों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए बेहतर तरीके से हो सकता है। दूसरी ओर, यदि यह धार्मिक स्वायत्तता को कमजोर करता है या सरकारी हस्तक्षेप को बढ़ाता है, तो इससे मुस्लिम समुदाय में असंतोष और अविश्वास बढ़ सकता है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

संभागायुक्त एसएन राठौर ने ग्राम पंचायत कचांदूर का किया निरीक्षण

दुर्ग। जिले में सुशासन तिहार 2025 के प्रथम चरण का शुभारंभ हो चुका है, जिसका उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इस अभियान के तहत आज दुर्ग संभाग के आयुक्त एसएन राठौर ने ग्राम पंचायत कचांदूर (विकासखंड दुर्ग) का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान श्री राठौर ने ग्रामवासियों एवं पंचायत पदाधिकारियों से चर्चा कर ग्रामीणों की मांगों और समस्याओं की जानकारी ली और उन्हें शासन की जनकल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी। इसी क्रम में एडीएम अरविन्द कुमार एक्का एवं एसडीएम दुर्ग हरवंश सिंह मिरी ने भी विभिन्न ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने समाधान पेटी के माध्यम से प्राप्त हो रहे जनशिकायतों और सुझावों की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि इन आवेदनों का तत्काल परीक्षण और समाधान किया जा रहा है ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

सुशासन दिवस के प्रथम चरण के दूसरे दिन 13854 आवेदन

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशा के अनुरूप कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में सुशासन तिहार का जिले में शुभारंभ मंगलवार 8 अप्रैल से किया गया। सुशासन तिहार समस्याओं का समाधान है। प्रथम चरण 8 से 11 अप्रैल तक आम जनता से समस्या संबंधी आवेदन लिए जाएंगे। द्वितीय चरण में आवेदनों का निराकरण एवं तृतीय चरण 5 से 31 मई 2025 समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। सुशासन तिहार को लेकर ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के लोगों में काफी उत्साह देखा गया। सुशासन तिहार के प्रथम चरण के दूसरे दिन 09 अप्रैल 2025 को कुल 13854 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 13456 मांगे व 398 आवेदन शिकायत से संबंधित है। सबसे सर्वाधिक जनपद पंचायत पाटन में 7086 आवेदन और जनपद पंचायत दुर्ग में 3793 आवेदन प्राप्त हुए।

सड़क सुरक्षा संबंधी विषयों पर बैठक 12 अप्रैल को

दुर्ग। सड़क सुरक्षा संबंधी विषयों पर 12 अप्रैल 2025 को प्रात: 11.30 बजे लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सभा कक्ष मे बैठक आयोजन की गई है। सुप्रीम कोर्ट कमिटी ओं रोड सेफ्टी (पूर्व न्यायमूर्ति सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इंडिया) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में संबंधित अधिकारियों को बैठक मे निर्धारित तिथि एवं समय पर सड़क सुरक्षा से संबंधित वर्तमान एवं प्रचलित कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी सहित अनिवार्य रुप से उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आरटीई के अंतर्गत नोडल अधिकारियों की ली बैठक

आरटीई के तहत् पात्र बच्चों को मिले एडमीशन गरीब बच्चों को मिलना चाहिए शिक्षा का अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा है कि नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम- 2009 के तहत प्रत्येक बच्चे को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। अधिनियम के तहत् गरीब बच्चों को शिक्षा हेतु उच्च निजी विद्यालयों में भी प्रवेश का अवसर मिलना चाहिए। कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग के सभा कक्ष में आयोजित शिक्षा सत्र 2024-2025 एवं 2025-2026 में प्रवेश हेतु आरटीई के तहत नियुक्त नोडल अधिकारियों की बैठक में उक्त बाते कही।

कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों से निजी विद्यालयों में प्रवेश हेतु बच्चों के पात्रता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आरटीई के तहत स्कूलों में गरीब बच्चों के प्रवेश हेतु उनके अभिभावकों को पात्रता के संबंध में भ्रमित करने के बजाय सही मार्गदर्शन प्रदान करें। पात्रता का परीक्षण कर यदि उसमें प्रमाण पत्र आदि की कमी हो तो सत्यापन कराकर सही बनवायें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि नोडल अधिकारी प्रमाण पत्रों के सत्यापन पर विशेष ध्यान देंगे। सत्यापन हेतु वे स्वयं आवेदक के घर जाकर पंचनामा तैयार करायें। आवेदक के पात्र घोषित होने के बाद किसी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए। शिकायत की स्थिति में नोडल जिम्मेदार होंगे। नियमानुसार नोडल के विरूद्ध कार्यवाही होगी।

कलेक्टर ने कहा कि दिव्यांग बच्चों का शासकीय चिकित्सालय से जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र मान्य होगा। इसी प्रकार अंत्योदय कार्ड के संबंध में आवेदक के राशन कार्ड का नंबर भी लिया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि अभिभावक द्वारा आरटीई के अंतर्गत बच्चे के प्रवेश के लिए प्रस्तुत दस्तावेज में अलग अलग पते होने पर नोडल को संबंधित के घर में जाकर इसका सत्यापन करना होगा। उन्होंने आवेदक को एसएमएस से सूचित करने मोबाइल नंबर के अलावा आगामी वर्ष हेतु ओटीपी का प्रावधान संबंधी प्रस्ताव शासन को भेजने डीईओ को निर्देशित किया।

डूप्लीकेट आवेदन मिलने पर आवेदक के घर जाकर करें सत्यापन

कलेक्टर सिंह ने कहा कि नोडल आपस में समन्वय स्थापित कर डूप्लीकेट आवेदन प्राप्त होने पर आवेदक के घर जाकर इसका सत्यापन कार्य कर रिकार्ड बनाकर रखेंगे। आरटीई स्कूलों में प्रवेश हेतु जो आवेदक पहले से आवेदन कर चुके है एवं दस्तावेज अपडेट नहीं किए है, ऐसे आवेदकों को नोडल सूचना देकर डाक्यूमेंट के संबंध में अवगत कराए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि हार्ड कॉपी और ऑनलाईन आवेदन में अपडेट दस्तावेज अलग-अलग हो तो इसका भी सत्यापन करा ले। उन्होंने कहा कि नोडल अधिकारी बच्चों के स्कूलों में प्रवेश हेतु लाटरी निकलने की अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए, 3 से 4 दिन पूर्व आवेदन परीक्षण की संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

आरटीई स्कूलों की भर्ती प्रक्रिया में किसी प्रकार की न हो त्रुटि

कलेक्टर ने कहा कि आरटीई स्कूलों की भर्ती प्रक्रिया में किसी प्रकार की त्रुटि न हो। पात्र सभी बच्चों के स्कूलों में प्रवेश की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के बच्चों को भी प्रवेश दिलाया जाए। यदि उनके अभिभावक शासकीय सेवक हैं तो भी उन्हें प्रवेश से वंचित न किया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि विगत वर्ष प्रवेश के संबंध में यदि पालकों द्वारा गलत जानकारी दी गई हो नोडल के बताने पर ऐसे पालकों पर भी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बेहतर ढ़ग से प्रवेश व्यवस्था सुनिश्चित करने की आशा के साथ सभी अधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दी।

आरटीई के तहत जिले में अब तक मिले 10742 आवेदन

आरटीई के अंतर्गत स्कूलों में प्रवेश हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 8 अप्रैल 2025 थी। इसके अंतर्गत जिले में कुल 10742 आवेदन प्राप्त हुए है। जिले में 77 प्रचार्यों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिनके द्वारा 25 अप्रैल 2025 तक आवेदनों का सत्यापन किया जाएगा। राज्य स्तर से 01 एवं 02 मई को लाटरी पद्धति से स्कूल आबंटन किया जाएगा। सहायक संचालक एवं आरटीई प्रभारी अमित घोष ने नि:शुल्क बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 अंतर्गत आवेदन एवं चयन प्रक्रिया के संबंध में पीपीटी के माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी। जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा ने नोडल अधिकारियों को आरटीई संबंधित आवेदनों के सत्यापन पर शंकाओं का समाधान किया। इस अवसर पर सहायक संचालक शिक्षा सीमा नायक और सभी नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

फर्जी एफडीआर के मामले में बड़ी कार्रवाई, आयुक्त ने रूद्रा इंजीनियरिंग को किया ब्लैक लिस्टेड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में रूद्रा इंजीनियरिंग द्वारा कई जगह पर निविदा में भाग लेकर कार्य करने हेतु अनुमति प्राप्त की। उसके द्वारा अलग-अलग कार्यो के लिए निविदा के माध्यम से कार्यो को संपादित करने के लिए कार्य आदेश प्राप्त किया। रूद्रा इंजीनियरिंग द्वारा जो अपने कार्यो के लिए एफडीआर जमा किया गया था, वह जाली था। जिसका बैंक से सत्यापन करने पर ज्ञात हुआ कि एफडी.आर जितनी राशि की है, उतनी राशि उस खाते में नहीं है।

इसकी जानकारी प्राप्त होते ही आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने निगम के सभी जोन आयुक्त एवं अधीक्षण अभियंता को तत्काल रूद्रा एजेंसी को काली सूची में डालने का निर्देश दिए और उसके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही भी की जा रही है। निगम द्वारा रूद्रा इंजीनियरिंग से जो कार्य करवाया

जा रहा था, उसे बंद करवा दिया गया है। निगम इस एजेंसी से कार्य नहीं करवाएगी। उसे तत्काल काली सूची में डाल दिया गया है। ऐसा पत्र सभी जोन में भेज दिया गया है। यह पहली बार हुआ है कि काम करने वाली एजेंसी द्वारा अधिकारियो को गुमराह करते हुए फर्जी एफडीआर जमा किया हो। इससे संज्ञान लेते हुए जो भी अन्य एजेंसी द्वारा एफडीआर जमा किया गया है उसके भी सत्यता की जांच कराई जा रही है।

जल संरक्षण को बढ़ावा देने निकाली गई वाटरशेड यात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-वाटरशेड घटक अंतर्गत जनभागीदारी को बढ़ाने के लिए दुर्ग विकासखंड ढ़ाबा नाला एवं पाटन विकासखंड के कुर्मीगुण्डरा नाला में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत भूमि संसाधन विभाग के तत्वाधान में जल व भूमि के संसाधनों के संरक्षण और सतत उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाटरशेड वेन के माध्यम से जलग्रहण क्षेत्रों का विकास, वर्षा जल संचयन, कृषि उत्पादकता में वृद्धि के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से वाटरशेड यात्रा जिले के दुर्ग विकासखंड के ग्राम गनियारी एवं पाटन विकासखंड के ग्राम कुम्हली पहुंचा।

वेन में ग्रामवासियों के समक्ष एलईडी के माध्यम से जल संरक्षण पर आधारित चलचित्रों का ऑडियो एवं विडियो प्रदर्शन किया गया।

स्कूली बच्चों व ग्रामवासियों ने रैली निकालकर जल है तो कल है, जल ही जीवन है आदि का नारा लगाते हुए तालाब की सफाई कर श्रमदान किया एवं साथ ही वृक्षारोपण एवं नवीन स्वीकृत कार्यों का भूमिपूजन किया गया। पानी की पाठशाला कार्यक्रम का आयोजन कर ग्रामवासियों को जल संरक्षण विषय पर उप संचालक कृषि सह परियोजना प्रबंधक डबल्यूसीडीसी, संदीप कुमार भोई, परियोजना अधिकारी डबल्यूडीसी 2.0/2 श्री एस.के. बेहरा एवं परियोजना अधिकारी डबल्यूडीसी 2.0/1 एसके कोर्राम एवं सुरेन्द्र सिंह तकनीकी विशेषज्ञ डबल्यूसीडीसी, डबल्यूडीटी आईपी नाग, दिनेश कुमार, गोपाल चंद्रवशी, विमल सोनकर, श्रद्धा विश्वकर्मा द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई।

इस अवसर पर जल संरक्षण के संबंध में रंगोली एवं प्रश्नोत्तरी का आयोजन ग्राम गनियारी में कराया गया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम-रितीका एवं रेश्मी, द्वितीय-चेतना एवं वेदिका साहू, तृतीय-कुसुमलता साहू ने स्थान प्राप्त किये। इसी प्रकार प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम प्रेम साहू, द्वितीय-नंद कुमार साहू एवं तृतीय-केवल राम साहू ने स्थान प्राप्त किऐ। सभी विजयी प्रतिभागियों को जिला पंचायत सदस्य प्रिया साहू, जनपद सदस्य-श्रीमती मिलन्तीन ठाकुर, सरपंच संतोषी साहू, उप सरपंच कीर्तिन साहू एवं पूर्व सरपंच रोहित साहू द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। इसी प्रकार ग्राम कुम्हली में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय नृत्य द्वारा स्वागत गान की सुदंर प्रस्तुति दी गई।

सुशासन तिहार 2025 पर विधायक, महापौर एवं आयुक्त ने स्वयं बैठकर लोगों से लिए आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चलाए जा रहे सुशासन तिहार 2025 अंतर्गत वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय स्वयं काउंटर पर बैठकर आवेदन प्राप्त कर रहे थे। सर्वप्रथम नागरिको से उनके समस्याओ को सुनकर जो भी तत्काल निराकरण हो सकता था, उसे निराकृत करवाए। अन्य समस्याओ की जानकारी लेकर संबंधित विभाग को कार्यवाही के निर्देश दिए।

विधायक ने लोगों को बताया कि सुशासन तिहार का आयोजन सभी के लिए है। जिन समस्याओं को लेकर आप हमारे पास, महापौर, आयुक्त या अधिकारियों के पास जाते है, अब कहीं जाने की जरूरत नहीं है। सुशासन तिहार 2025 का उददेश्य ही यही है, जो भी समस्या है, यहां पर दर्ज करवाये। सर्वप्रथम आपके आवेदन का कार्य के अनुरूप परीक्षण किया जाएगा। एक माह के भीतर समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। हमारे सरकार का उददेश्य है सबका साथ, सबका विकास, सबका उत्थान।

सुशासन तिहार के अंतर्गत अभी तक नगर निगम भिलाई के 10 शिविरों में कुल 345 आवेदन प्राप्त हुए है। मुख्य कार्यालय परिसर में 75 आवेदन, जोन.1 नेहरू नगर पानी टंकी में 52 आवेदन, वार्ड 18 हरा मैदान कांट्रेक्टर कालोनी में 12 आवेदन, जोन.2 कार्यालय परिसर में 36 आवेदन, वार्ड 24 सूर्यकुण्ड सामुदायकि भवन हाउसिंग बोर्ड में 34 आवेदन, जोन.3 कार्यालय परिसर में 48 आवेदन, वार्ड 33 संतोषी पारा स्वास्थ्य कार्यालय में 43 आवेदन, जोन.4 कार्यालय परिसर में 21 आवेदन, वार्ड 46 छावनी तालाब के पास सामुदायिक भवन में 15 आवेदन, जोन.5 कार्यालय परिसर में 9 आवेदन

इस प्रकार कुल 345 आवेदनों में 255 मांग एवं 90 शिकायतें प्राप्त हुई है।

पीएम आवास : भिलाई निगम क्षेत्र में 105 लोगों की निकली लॉटरी

- विधायक रिकेश सेन की मौजुदगी में किया गया आबंटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में महत्वपूर्ण प्रधानमंत्री आवास योजना संचालित है। जिसके तहत मकान हीन परिवारों को स्वयं का पक्का मकान दिये जाने का प्रावधान है। इसी के तहत बुधवार नगर निगम भिलाई में 105 हितग्राहियो को उनकी पात्रता के अनुसार मकान का आबंटन लाटरी निकालकर किया गया। जो हितग्राही मकान का 10 प्रतिशत अंशदान की राशि जमा किए थे, उनही हितग्राहियो को सबके बीच नाम से बुलाकर लाटरी में पर्ची उनके हाथो से निकलवाया गया। जिसके हाथ में जो मकान नबंर पर्ची में लिखा था, उसे आबंटन कर दिया गया।

बता दें अब तक नगर निगम भिलाई में प्रधानमंत्री आवास के लिए कुल 4600 आवेदन प्राप्त हुए है। जिसमें से पात्र 2020 हितग्राहियों को मकान आबंटन किया जा चुका है। इसमें से 3709 हितग्राहियों को मकान आबंटन किया जाना शेष है। उक्त मकान निर्माण की प्रक्रिया में है। बुधवार 105 हितग्राहियो को मकान आबंटित किया गया। प्रमुख स्थल अविनाश मेट्रोपालिश के 2 मकान, सूर्या विहार के पीछे खम्हरिया के 1 मकान, आम्रपाली वनांचल सिटी हाउसिंग बोर्ड के 2 मकान, सूर्या विहार के पीछे खम्हरिया के 11 मकान, कृष्णा इंजीनियरिंग के पीछे खम्हरिया के 61 मकान एवं एनार स्टेट खम्हरिया के 28 मकान आबंटित किए। जिसमें 17 दिव्यांगजनो को भूतल के मकान एवं 88 सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को मकान आबंटन किया गया।खुली लाटरी पद्वति में प्रमुख रूप से वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे।

लाटरी आबंटन के दौरान सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, एमआईसी सदस्य साकेत चंद्राकर, चंद्रशेखर गंवई, कार्यपालन अभियंता विनिता वर्मा, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, प्रभारी अधिकारी विद्याधर देवांगन, नम्रता सिंह ठाकुर, थैलेश्वर जोशी, जी मोहन राव, जागेश्वर साहू, महेत्तर सोनी आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि गरीबों को सस्ते में अच्छे मकान मिले : विधायक रिकेश सेन

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि सभी नागरिकों के सर पर छत हो। उन्हे सस्ते एवं अच्छे मकान उपलब्ध कराया जाए। इसी के अंतर्गत आप सबको पारदर्शिता के साथ मकान आबंटित किया जा रहा है। महापौर पाल ने बताया कि हर व्यक्ति का सपना होता है, कि उसका स्वयं का मकान हो, जिसमें एक साथ एक ही छत के नीचे पूरा परिवार निवास करें। उन सभी परिवारों के सपने सरकार पूरी कर रही है। आयुक्त ने सभी नागरिको से अपील किए है कि नगर निगम भिलाई में आवास हेतु आवेदन मिल रहा है, उसे भरे, मांगे गए दस्तावेज संलग्न करे और सूची में नाम आते ही लाटरी में भाग लेकर अपना स्वयं का मकान प्राप्त करें।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष बेसरा ने कार्य भार ग्रहण किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बेसरा ने निगम के कार्यालय पहुंचकर कार्यभार किया गया। इस मौके पर विभागीय मंत्री जी रामविचार नेताम द्वारा उन्हें पुच्छ गुच्छ देकर शुभकामनाएं दी गईं। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के समय संसाधनों की कमी होने के कारण वंचित वर्ग के कल्याण में अनेकों समस्याएं आ रही थी, परन्तु अब राज्य में अधोसंरचनात्मक रूप से बहुत विकास हो चुका है। अत: अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम की योजनाओं का पूरा लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि नवनियुक्त अध्यक्ष के नेतृत्व में अंत्यावसायी निगम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष श्री बेसरा ने अपने संक्षिप्त संबोधन में सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अंत्यावसायी निगम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी का सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों से इस संबंध में शीघ्र एक कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि उसके आधार पर निर्धारित लक्ष्यों को पूरा किया जा सके। उन्होंने अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम की योजनाओं का पूरा लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर उपसचिव श्रीमती लविना पाण्डेय, निगम की सचिव श्रीमती गायत्री नेताम, सहायक महाप्रबंधक श्री जय कपिल शाह, श्री नवीन शर्मा, श्री आदर्श साव सहित निगम के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक एवं सफाई कामगार वर्गों को विभिन्न व्यवसायों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के साथ तकनीकी व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, ताकि वे स्वरोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भर हो सकें। अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा अनेक योजनाएं जैसे - ट्रैक्टर ट्रॉली योजना, गुड्स कैरियर योजना, पैसंजर व्हीकल योजना, स्मॉल बिजनेस योजना, आदिवासी महिला सश्क्तीकरण योजन, टर्म लोन योजना, स्वच्छता से संबंधित वाहन योजना, सेनेटरी मार्ट योजना, शिक्षा ऋण योजना, ऑटो गुड्स कैरियर, कम्प्यूटर रिपेयरिंग इत्यादि योजनाएं संचालित की जाती हैं।

पात्र हितग्राहियों को समय पर उपलब्ध हो राशन सामग्री : मंत्री बघेल

रायपुर। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्री दयालदास बघेल खाद्य ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन स्थित अपने कक्ष में विभागीय काम-काज की समीक्षा की। मंत्री श्री बघेल ने विभागीय अधिकारियों को विभिन्न श्रेणियों के कार्ड धारकों को निर्धारित पात्रता के अनुसार समय पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्न सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन सामग्री के आबंटन, भण्डारण एवं वितरण तथा धान उपार्जन एवं कस्टम मिलिंग की विस्तार से समीक्षा की गई। मंत्री श्री बघेल ने उचित मूल्य की दुकानों का जल्द भौतिक सत्यापन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सत्यापन के बाद दुकानों में पायी गई कमी, वसूली एवं दर्ज प्रकरणों का निराकरण शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। श्री बघेल ने प्रदेश के सुदूर एवं पहुंच विहीन इलाकों की उचित मूल्य की दुकानों में अग्रिम खाद्यान्न भण्डारण हेतु समय रहते पर्याप्त भण्डारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक माह उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण करने भी कहा है। मंत्री श्री बघेल ने बैठक में खाद्य विपणन वर्ष 2024-25 में खरीदी केन्द्रों से धान उठाव की समीक्षा की।

उन्होंने भारतीय खाद्य निगम में कस्टम मिलिंग के तहत चावल उपार्जन और नागरिक आपूर्ति निगम में चावल उपार्जन की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, सचिव अन्बलगन पी., संचालक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम जितेन्द्र कुमार शुक्ला, प्रबंध संचालक मार्कफेड रमेश कुमार शर्मा सहित राज्य भंडारण गृह निगम, अपैक्स बैंक के प्रमुख अधिकारी एवं जिलों के खाद्य नियंत्रक एवं खाद्य अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ का सामाजिक सशक्तिकरण मॉडल हुआ पेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने देहरादून में आयोजित दो दिवसीय 'चिंतन शिविर 2025' में छत्तीसगढ़ सरकार के सामाजिक सशक्तिकरण मॉडल को प्रस्तुत किया। इस शिविर में उन्होंने समाज के हर वर्ग एवं वंचित वर्गों के कल्याण के लिए छत्तीसगढ़ में किए जा रहे नवाचारों और कल्याकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों, उभयलिंगी समुदाय, विधवा एवं परित्यक्त महिलाओं तथा बौने व्यक्तियों के समग्र पुनर्वास और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।

श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि राज्य में फिजिकल रिफ्रल रिहैबिलिटेशन सेंटर के जरिए कृत्रिम अंग और सहायक उपकरणों का वितरण किया जा रहा है। इसके अलावा, दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत 1 लाख रुपये की सहायता, दिव्यांग छात्रवृत्ति और मोटराइज्ड ट्रायसायकल प्रदाय किए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का भी जिक्र किया, जिसे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुन: शुरू किया गया है । इस योजना के तहत हाल ही में 800 वरिष्ठ नागरिकगणों को तिरुपति, मदुरै और रामेश्वरम की तीर्थ यात्रा पर भेजा गया है।

श्रीमती राजवाड़े ने केंद्र सरकार से कई अहम मांगें रखीं, जिनमें दिव्यांगजन पेंशन योजना से बी.पी.एल. बाध्यता हटाना, 5 संभागीय मुख्यालयों में भिक्षुक पुनर्वास केंद्र की स्थापना, रायपुर में 100 बिस्तरों वाला नशामुक्ति केंद्र, हर जिले में दिव्यांगजन पार्क व पुनर्वास केंद्र, और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में एन.ए.पी.डी.डी.आर. एवं अटल वयो अभ्युदय योजना का विस्तार शामिल हैं। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने कहा, डबल इंजन सरकार के तहत हम वंचित वर्गों की प्रगति, उत्थान और कल्याण के लिए कटिबद्ध हैं। आने वाले समय में भी हम इसी ऊर्जा और समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इस चिंतन शिविर का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने किया। इसका उद्देश्य समावेशी नीति निर्माण, कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा और उपेक्षित समुदायों के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर राज्य मंत्री रामदास अठावले, बीएल वर्मा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित 23 राज्यों के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री उपस्थित रहे। यह चिंतन शिविर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नशामुक्ति और उभयलिंगी समुदाय के लिए प्रयास

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि राज्य में 33 नशामुक्ति केंद्र संचालित हैं और राष्ट्रीय नशामुक्ति योजना (एन.ए.पी.डी.डी.आर.) के तहत 4,000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही, गरिमा गृह में 25 उभयलिंगी हितग्राहियों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा, विकसित भारत का मंत्र , भारत हो नशे से स्वतंत्र , को साकार करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

अधिकारियों-कर्मचारियों को वर्षों से लंबित ग्रेच्युटी राशि का भुगतान

उप मुख्यमंत्री अरुण साव की पहल पर 300 अधिकारियों-कर्मचारियों की ग्रेच्युटी, जीपीएफ, अवकाश नगदीकरण, चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एरियर्स के भुगतान का खुला रास्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की पहल पर भिलाई नगर निगम में वर्ष 2018 से लंबित सेवानिवृत्त व दिवंगत अधिकारियों-कर्मचारियों की ग्रेच्युटी का भुगतान किया गया है। वर्षों से लंबित जीपीएफ/सीपीएफ अवकाश नगदीकरण, चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एरियर्स का भी भुगतान अधिकारियों-कर्मचारियों को किया गया है।

लंबे समय से इन राशियों का इंतजार कर रहे भिलाई नगर निगम के सेवानिवृत्त कार्मिकों तथा मृत अधिकारियों-कर्मचारियों के परिजनों ने इस पर खुशी जताते हुए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है। उन्होंने भिलाई नगर निगम के स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ तथा छत्तीसगढ़ कर्मचारी कांग्रेस के पदाधिकारियों के साथ श्री साव के रायपुर स्थित निवास कार्यालय में मुलाकात कर आभार जताया और धन्यवाद दिया।

भिलाई नगर निगम के सेवानिवृत्त व दिवंगत अधिकारियों-कर्मचारियों की ग्रेच्युटी के वर्ष 2018 से भुगतान नहीं होने की बात संज्ञान में आते ही उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने विभागीय अधिकारियों को इसके लिए निर्देशित किया था। उन्होंने पिछले दो वर्षों से लंबित अधिकारियों-कर्मचारियों के जीपीएफसीपीएफ अवकाश नगदीकरण, चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एरियर्स के भी भुगतान की व्यवस्था के निर्देश दिए थे। उप मुख्यमंत्री साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने ग्रेच्युटी के भुगतान के लिए संचित निधि से 10 करोड़ 85 लाख 36 हजार रुपए तथा जीपीएफसीपीएफ एवं अवकाश नगदीकरण के भुगतान के लिए लीज प्री-होल्ड की राशि से चार करोड़ 36 लाख 38 हजार रुपए के भुगतान की अनुमति भिलाई नगर निगम को दी है। विगत 3 अप्रैल को राज्य शासन द्वारा अनुमति प्रदान किए जाने के दो दिनों के भीतर ही 300 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों तथा उनके परिजनों के खातों में 15 करोड़ रुपए अंतरित कर दी गई है। ग्रेच्युटी एवं अन्य राशि मिलने से खुश सेवानिवृत्त कार्मिकों तथा मृत अधिकारियों-कर्मचारियों के परिजन, भिलाई नगर निगम के स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ तथा छत्तीसगढ़ कर्मचारी कांग्रेस के पदाधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री अरुण साव से रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में मुलाकात कर आभार जताया और धन्यवाद दिया। ये सभी लंबे समय से इन राशियों के भुगतान की बाट जोह रहे थे। किसी के यहां बेटी की शादी थी, तो किसी को इलाज या मकान बनाने के लिए राशि की जरूरत थी। उप मुख्यमंत्री श्री साव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ तथा छत्तीसगढ़ कर्मचारी कांग्रेस के पदाधिकारियों ने कहा कि आपकी संवेदनशील पहल और नेतृत्व से ही आज सैकड़ों परिवारों के बीच बहुत ही सुखद क्षण आया है। मायूस परिवारों में मुस्कुराहट लौटी है। हम सभी परिवारों की ओर से आपको धन्यवाद देते हैं और आभार प्रकट कर रहे हैं। श्री साव से मुलाकात के दौरान स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ तथा छत्तीसगढ़ कर्मचारी कांग्रेस के सर्वश्री संजय शर्मा, शरद दुबे, विष्णु चन्द्राकर, शशिभूषण मोहंती, कृष्णा देशमुख, सुरेन्द्र सोनबेर, वामन राव, विनय मेश्राम, संतोष पाण्डेय, रामायण सिंह, थानूराम साहू, टहल राम साहू, सुश्री रीता चतुर्वेदी और सुश्री शालिनी गुरव मौजूद थीं।

उपचार की विजयगाथा, नन्हें योद्धा हर्ष की प्रेरक यात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हर्ष, 8 वर्षीय एक बालक, बचपन से ही एक जुझारू योद्धा रहा है। उसकी चिकित्सकीय यात्रा महज दो वर्ष की आयु में शुरू हुई, जब उसे हिर्शस्प्रंग डिजीज के संदेह में डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल, रायपुर में भर्ती किया गया। हालांकि, बायोप्सी रिपोर्ट में यह बीमारी नहीं पाई गई। मेगाकोलन के कारण उसकी कोलोस्टॉमी की गई और फिर उसे छुट्टी दे दी गई।

समय बीतता गया और हर्ष को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वह एक बार फिर अस्पताल लौटा, इस बार पैरालिसिस (पैरापेरेसिस) और न्यूरोजेनिक ब्लैडर की समस्या के साथ, जिससे उसका दैनिक जीवन अत्यंत कठिन हो गया था। पीडियाट्रिक और न्यूरोसर्जरी टीमों ने मिलकर कार्य किया और एमआरआई जांच में उसकी रीढ़ में एक एपिडर्मॉइड सिस्ट का पता चला। सर्जरी टीम ने सफलतापूर्वक इस सिस्ट को निकाल दिया और उसे नया जीवनदान मिला लेकिन उसकी सबसे कठिन परीक्षा अभी बाकी थी। हर्ष को एक बार फिर, इस बार गंभीर स्थिति में, पीआईसीयू (पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट) में भर्ती कराया गया। वह तीव्र मेटाबॉलिक एसिडोसिस और श्वसन विफलता के साथ आया। जिसके चलते तुरंत इंटुबेशन करना पड़ा।

अनुभवी पीडियाट्रिशियन और इंटेंसिविस्ट्स के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने उसे स्थिर करने के लिए दिन-रात मेहनत की। गहन जांच के बाद, उसके पुराने यूरीन इंफेक्शन्स (जो कि न्यूरोजेनिक ब्लैडर के कारण हुए) से उत्पन्न क्रॉनिक किडनी डिजीज की पुष्टि हुई। लगातार निगरानी, गहन उपचार और अद्वितीय समर्पण के साथ, अस्पताल के स्टाफने हर्ष को मृत्यु के कगार से वापस खींच लिया। जैसे-जैसे वह धीरे-धीरे ठीक होने लगा और अंतत: वेंटिलेटर से हटाया गया, वह क्षण हर्ष और पूरी टीम के लिए एक बड़ी जीत थी।

एक लंबी और चुनौतीपूर्ण यात्रा के बाद, हर्ष को छुट्टी दी गई एक नए उत्साह और ताकत के साथ जीवन को आगे बढ़ाने के लिए। उसकी यह रिकवरी डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल, रायपुर में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा, टीमवर्क और अथक प्रयासों का सजीव प्रमाण है। जब हर दिशा में अंधकार था, तब डॉक्टरों ने आशा की रौशनी दी।

सुशासन तिहार-2025 : आवेदन जमा करते ही मिला प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुशासन तिहार के प्रथम चरण जारी है जिसमें आवेदक अपनी समस्या और मांग से सम्बंधित आवेदन दे रहे है। इस दौरान ऐसे भी दृश्य सामने आ रहे है जिसमें आवेदन देने के तत्काल बाद निराकरण भी किया जा रहा है जो मिसाल बनने के साथ ही लोगों में विश्वास बढ़ा रहा है।

नगर पालिका बलौदाबाजार के वार्ड क्रमांक 17 निवासी आवेदक हेमलता वर्मा बुधवार को नगर पालिका कार्यालय के आवेदन प्राप्ति स्थल में अपना आवेदन देने पहुंची। आवेदन में अपने बेटे का जन्म प्रमाण पत्र के लिए अनुपलब्धता प्रमाण की जरुरत थीं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी खिरोद्र भोई ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल अनुपलब्धता प्रमाण पत्र बनाकर उन्हें सौंप दिया गया। हेमलता ने बताया कि लम्बे समय से अपने बेटे राजू नयन वर्मा का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए परेशान थीं। राजू इस समय कक्षा 12वीं का छात्र है और उसे अपनी आगे की पढ़ाई के लिए यह दस्तावेज बेहद जरूरी था। लेकिन बार-बार प्रयासों के बावजूद कहीं से भी प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहा था। कई दफ्तरों के चक्कर लगाने के बावजूद हर बार उन्हें निराशा ही हाथ लगती थी। लेकिन इसी बीच उन्होंने मोबाइल पर देखा कि नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार में 8 से 11 अप्रैल तक सुशासन तिहार 2025 के तहत एक विशेष शिविर लगाया जा रहा है, जिसमें आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित रूप से समाधान किया जा रहा है। इससे एक नई उम्मीद जगी और बिना समय गंवाए शिविर में जाकर आवेदन दिया। जिस समस्या को लेकर वे महीनों से इधर-उधर भटक रही थीं उसका समाधान महज 2 मिनट में मिल गया। हेमलता वर्मा कहती हैं, मैं मुख्यमंत्री जी की अत्यंत आभारी हूं, जिन्होंने सुशासन तिहार जैसा अभियान चलाकर हम आम लोगों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान इतने सरल और सम्मानजनक तरीके से करवाया। यह वास्तव में जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

ग्रामीण अंचल में सुआ नृत्य बना जनजागरूकता का माध्यम

रायपुर। सुशासन तिहार को जन -जन तक पहुंचने के लिए बलौदाबाजार भाटापारा जिला प्रशासन द्वारा जोर - शोर से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें रैली,साईकिल रैली,मुनादी, दीवाल लेखन आदि शामिल है लेकिन ग्रामीण अंचल में सुआ नृत्य जनजागरूकता का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है। बुधवार को बलौदा बाजार जिले के विकासखंड पलारी के ग्राम पंचायत कुसमी में बिहान की महिला स्व सहायता समूहों के द्वारा सुवा गीत व नृत्य के माध्यम से सुशासन तिहार को लोगों तक पहुंचाया। छत्तीसगढ़ में पारंपरिक लोक नृत्यों में पंथी, राउत नाचा, कर्मा,पंडवानी,सुवा,सैला, गेंड़ी आदि शामिल हैं। ये नृत्य विभिन्न समुदायों द्वारा त्योहारों और उत्सवों के दौरान किए जाते हैं और वे क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। सुशासन तिहार के प्रथम चरण अंतर्गत 8 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में आवेदन प्राप्ति स्थल पर लोगों से आवेदन प्राप्त किये जाएंगे।कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल के नेतृत्व में जिले में गठित स्व सहायता समूह (बिहान)द्वारा संकुल संगठन स्तर ,ग्राम संगठन स्तर,पंचायत स्तर पर दीवाल लेखन,सुशासन नारे,रैली,घर -घर दस्तक अभियान का सफल आयोजन किया जा रहा है।

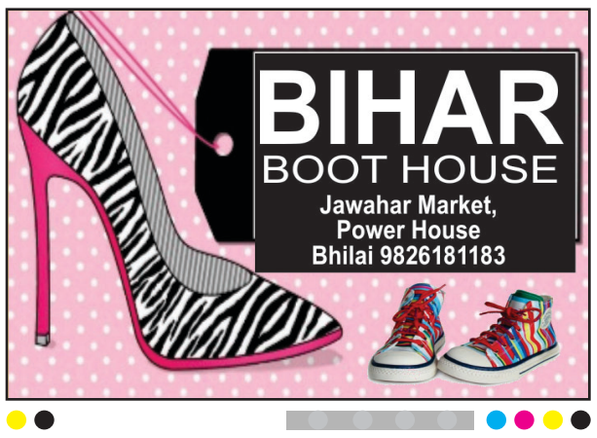

गरमी में स्किन डैमेज से बचने के लिए अपनाएं ये टिप्स

गरमी की तेज धूप से स्किन की नमी छीन जाती है, जिसके साथ-साथ स्किन को काफी नुकसान भी होता है. ऐसे में लोग दिन में घर से बाहर निकलने से बचते नजर आते हैं. जो जाहिर तौर पर एक अच्छा विकल्प है, लेकिन फिर भी जरूरत पड़ने पर या किसी जरूरी काम के लिए आपको घर से बाहर जाना पड़ता है. ऐसे में स्किन को तेज धूप से बचाने के लिए कुछ तरीके को इस्तेमाल करके हम गरमी के मौसम में अपनी स्किन को डैमेज होने से बचा सकते हैं. तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपना कर आप गरमी से चेहरे पर पड़ने वाले बुरे इफेक्ट को कम कर सकती हैं या रोक सकती हैं.

गरमी में पहली परेशानी है रैशेज

ये हैं रैशेज के कारण:- गरमी में लोगों को पसीना बहुत आता है, जिससे हमारी स्किन चिपचिपी हो जाती है. जिसकी वजह से हमारे रोम छिद्र बंद हो जाते हैं और पूरी बौडी से विषैले पदार्थो के बाहर नही निकल पाते. इसी के चलते स्किन में एक्ने, खुजली और फोड़े फुंसी जैसी परेशानियां पैदा हो जाती हैं.

ये हैं रैशेज से बचने के टिप्स:- सबसे पहले आप ध्यान रखें कि पसीने की परेशानी से छुटकारा पाने के लिए आप अच्छी क्वालिटी के पाउडर इस्तेमाल करें. घर से बाहर जाने या घर आने पर अपने हाथ और चेहरे को सादे पानी से धोना ना भूलें, क्योंकि आपके चेहरे पर धूप का सबसे ज्यादा बुरा असर पड़ता है. दिन में कम से कम 2 बार क्लेंजर से स्किन की सफाई करें.

धूप और गरमी से सनबर्न की परेशानी

ये हैं सनबर्न होने के कारण:- तेज धूप और गरमी से सूर्य की यूवी किरणें हमारे चेहरे को नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे चेहरे के साथ-साथ हमारी बौडी के बिना कवर किए हुए हिस्से काले पड़ जाते हैं.

ये हैं सनबर्न की परेशानी से बचने के टिप्स:- चेहरे के लिए SPF 30 तत्व वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना चाहिए जो बाजार में या मेडिकल स्टोर पर आसानी से मिल जाती है. इसे घर से बाहर निकलने से पहले गर्दन और बॉडी पर लगा लें और स्काफ से ढक लें. तेज धूप की वजह से हमारी खुली त्वचा जल जाती है इसके लिए बाहर से आते ही चेहरे को ठण्डे पानी से धोएं. प्रभावित स्किन पर गीला तोलिया रखें. पानी में भिगोया गया तौलिया आपको बहुत राहत देगा. इसके साथ ही आप खीरे का रस भी घरेलू इलाज के तौर पर लगा सकती हैं.

धूप में ड्राई स्किन की परेशानी

ये हैं ड्राई स्किन की परेशानी के कारण:- स्क्रबिंग की वजह से हमारी स्किन की सबसे ऊपर वाला हिस्से को नुकसान होता है. एसी में रहने वाले लोगों के साथ ये परेशानी सबसे ज्यादा होता है, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि घर के अंदर और बाहर की नमी में फर्क होता है.

इन टिप्स से पाएं ड्राई स्किन से छुटकारा:- सुबह के वक्त और रात को सोने से पहले अपनी स्किन पर मॉइश्चराइजर लगाना ना भूलें. सबसे जरूरी है स्किन की नमी नौर्मल रहे और जिसके लिए आप क्रीम को लगाने से पहले टोनर और इमल्शन का इस्तेमाल कर सकती हैं, जिससे स्किन पर एक अलग से सुरक्षा परत बनेगी.

बुढ़ापे में भी दिखना है जवान तो डाइट में ये जोड़ें

खट्टे फलों और सब्जियों में पाए जाने वाला विटामिन सी शरीर के लिए बेहद जरूरी तत्वों में से एक है. इसे एस्कौर्बिक एसिड के नाम से भी जाना जाता है. ये एसिड शरीर में होने वाली पाचन क्रिया के लिए बेहद जरूरी तत्व है. सेहत के साथ साथा आपकी खूबसूरती को बरकरार रखने में भी इसका अहम रोल होता है. तो आइए विटामिन सी से होने वाले स्वास्थ फायदों के बारे में जाने.

चेहरे की झुर्रियों को कम करता है विटामिन सी

त्वचा में कोलेजन बनाने में विटामिन सी काफी मददगार होता है. इसकी वजह से आपकी त्वचा में लचीलापन बना रहता है. अगर शरीर में इस विटामिन की मात्रा कम हो जाए तो समय से पहले झुर्रियां आने लगती हैं. विटामिन सी एजिंग की प्रक्रिया को प्राकृतिक रुप से कम करने में आपकी मदद करता है. इतना ही नहीं यह आपके चेहरे की झुर्रियों को कम करने में मदद करता है.

सनबर्न से बचाता है विटामिन सी

सनबर्न से आपका चेहरा झुलस सकता है. इसके अलावा सन बर्न से स्किन कैंसर का खतरा भी बना रहता है. पर अपनी डाइट में विटामिन सी को एड कर के आप इस खतरे को कम कर सकती हैं.

विटामिन सी में होता है एंटीऑक्सिडेंट

फ्री रेडिकल्स से बचने के लिए शरीर को एंटी ऑक्सिडेंट की जरूरत होती है. त्वचा को सूरज की तेज किरणों और प्रदूषण से बचाने के लिए यह जरुरी है कि आप विटामिन सी का गर्मियों में सेवन जरूर करें.

अब घर बैठे पाएं व्हाइट हेड्स की प्रॉब्लम से छुटकारा

हर उम्र के इंसान को फेस पर व्हाइट हेड्स की प्रॉब्लम होती है. जिसके लिए वह पार्लर और डॉक्टरों के चक्कर काटता है लेकिन उसे उससे छुटकारा नही मिलता. एक तरह से व्हाइट हेड मुंहासा होता है जो सीबम और केराटिन से बनता है. ब्लैकहेड से अलग व्हाइट हेडस्किन के अंदर रोम छिद्र के ठीक नीचे होते हैं. व्हाइट हेड कभी-कभी इतने छोटे होते हैं कि उन्हें नौर्मल आंखों से देखा नहीं जा सकता है. व्हाइट हेड किसी भी उम्र में हो सकते हैं. यह ज्यादातर तब होते हैं जब हार्मोन्स में बदलाव हो रहा हो. आज हम आपको नेचुरल और होममेड तरीके से व्हाइटहेड्स से कैसे छुटकारा पाने के टिप्स बताएंगे.

एलोवेरा और नींबू

इसमें गहरी सफाई के गुण होते हैं, वहीं बीमारियों से लड़ने के लिए नींबू को एजेंट के रूप में जाना जाता है जो व्हाइटहेड्स को बाहर निकालता है.

इस तरह लगाएं: एलोवेरा का जूस निकालकर इसमें एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं. व्हाइटहेड्स वाले हिस्सों पर लगभग 2 मिनट तक मालिश करें और फिर धो लें.

गुलाब जल

गुलाब जल न केवल स्किन के पीएच स्तर को बैलेंस करता है, बल्कि यह बंद पोर्स को भी साफ करता है

इस तरह लगाएं: एक बड़ा चम्मच गुलाब जल और नींबू का रस मिलाएं. इस मिश्रण को प्रभावित हिस्सों पर लगाएं और फिर लगभग 10 मिनट तक छोड़कर धो दें.

हल्दी

हल्दी में जीवाणुरोधी और हीलिंग गुण होते हैं जो आपकी स्किन से व्हाइटहेड्स को बाहर निकालने में मदद करते हैं.

इस तरह लगाएं: एक चम्मच हल्दी पाउडर को एक चम्मच शहद में मिलाएं. इस मिश्रण को अपने व्हाइटहेड्स पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें.

टमाटर का रस

टमाटर में एंटीसेप्टिक होने के अलावा एक कसैला गुण होता हैं. इसके अलावा, अपने अम्लीय गुणों के कारण भी ये आपकी स्किन से व्हाइटहेड्स को हटाता है.

इस तरह लगाएं: एक छोटे टमाटर को छीलकर मैश करें. और इसे अपने फेस पर 20 मिनट तक लगाएं और धो लें.

स्पा और बॉडी पॉलिशिंग

बड़े शहरों की ही तरह से अब छोटे शहरो की लाइफस्टाइल भी बदल रही है. युवाओं में ही नहीं शादीशुदा महिलाओं और पुरूषों में भी अपनी ब्यूटी और स्टाइल को लेकर क्रेज बड रहा है. 40 प्लस की महिलाओं में अपनी ब्यूटी और हेल्थ को लेकर क्रेज बढ रहा है. यही वजह है कि अब स्पा और बॉडी पॉलिशिंग का सबसे अधिक प्रयोग वह कर रही है. महिलाओं में हो रहे ब्यूटी प्रेजेंटस इसको और भी अधिक क्रेजी बनाते जा रहे है. स्पा और बॉडी पॉलिशिंग सेंटर भी तमाम तरह के पैकेज लेकर आ रहे है. जिसकी वजह से स्पा और बॉडी पॉलिशिग सेंटर तेजी से बढते जा रहे हैं.

आज काम के घंटे लगातार बढ रहे है. इससे पूरे शरीर के साथ मांइड को भी रिलैक्स की जरूरत होती है. बडी बडी कंपनियों के लोग जब काम करके थक जाते हैं तो स्पा ट्रीटमेंट के जरीये वह अपने आपको दोबारा रिचार्ज कर लेते हैं. इसी लिये लगभग सभी बडे होटलों में स्पा की व्यवस्था होती है. स्पा में अलग अलग तरह के ट्रीटमेंट होते है जिनके जरीये कुछ बीमारियों का इलाज भी किया जाता है. होटलों के अलावा अब वेलनेंस सेंटर, जिम, पिफटनेस सेंटर और ब्यूटी सैलून में भी स्पा ट्रीटमेंट की सुविधयें दी जाने लगी है. लखनउ में 'एस्थेवा ब्यटी एंड हेल्थ क्रियेटर' की डायरेक्टर अपर्णा मिश्रा कहती है 'स्पा में सिर से पांव तक का ट्रीटमेंट किया जाता है. इसकी शुरूआत हेड से करते है. सिर पर तेल डालकर मसाज करते हुये रिलैक्स कराने की कोशिश की जाती है. मसाज के लिये एंटी आक्सीडेंट तेल का प्रयोग किया जाता है. इसके बाद बौडी स्पा किया जाता है. यह अलग अलग तरह से होता है. इसका मकसद बौडी को रिपफ्रेश करना होता है'.

बॉडी स्पा तरह तरह के

बॉडी स्पा अलग अलग तरह से होता है. स्पा करने के लिये सबसे पहले बॉडी को क्लीन किया जाता है. इसके बाद स्क्रबर लगाकर स्किन को रगडा जाता है. जिससे शरीर के उपर की मरी हुई त्वचा हटाया जा सके. इसके बाद बॉडी पैक लगाकर मसाज किया जाता है. मसाज करने के लिये अपवर्ड स्ट्रोक, जिक जैक मसाज और सरकुलर मसाज का सहारा लिया जाता है. स्पा ट्रीटमेंट शरीर के अलग अलग हिस्सो का अलग अलग भी होता है. स्पा का समय लगभग आध घंटा से 40 मिनट का होता है. इसके बाद बौडी को स्टीम बाथ दिया जाता है. अगर स्टीम बाथ कह सुविध नही है तो टौवल का गर्म करके उससे ही काम चलाया जा सकता है. स्पा अलग अलग तरह का होता है. सबसे ज्यादा अरोम स्पा प्रचलित है. इसके अलावा स्टोन थेरपी, हाइड्रा स्पा, मडपैक थैरेपी और समुद्री नमक स्पा भी होते है. स्पा थेरेपी के दौरान शरीर के एक्यूप्रेशर पर दबाव डालकर बौडी को रिलैक्स करने की कोशिश की जाती है. हाइड्रा स्पा में बाथटब में पानी के प्रेशर का प्रयोग किया जाता है. इसी तरह समुद्री नमक स्पा में समुद्र से निकाले गये नमक जिसका नमक चमक भी कहते से शरीर की मालिश की जाती है. इसी तरह कई तरह का मडपैक बीमारियों को दूर रखने में सहायक होता है. जिन लोगों को इस तरह की बीमारियां होती है वह मैडपैक स्पा के जरीये अपना ट्रीटमेंट कराते है. स्पा ट्रीटमेंट कराते समय यह जरूर देखना चाहिये कि यह किसी अच्छी जगह और जानकार हाथों के जरीये ही कराया जाये. नही तो कई बार यह कई बीमारियां भी ले आता है. अच्छी जगह पर ही यह सुविधयें लेनी चाहिये. तभी यह हेल्दी रहती है बॉडी.

पॉलिशिंग सुंदरता में लाये निखार

वंशिका को मॉडलिंग का शौक था. वह जब भी रैम्प शो करने या मॉडलिंग के लिये पोज देने के लिये जाती तो दूसरी मौडलों को देखकर लगता जैसे कि उसकी बॉडी में चमक नही है. कई बार मेकअप मैन उससे कहता भी था कि आप अपनी बौडी की चमक को बढ़ाने के लिये कुछ कीजिये. वंशिका को समझ नही आ रहा था कि वह क्या करें? उसने अपनी साथी लता से इस बारे में बात की. लता उसको लेकर ब्यूटी क्लीनिक गयी. यहां पर वह खुद सप्ताह में एक बार बौडी पौलिशिंग कराने के लिये आती थी. लता ने उस दिन वंशिका की बॉडी पॉलिशिंग करायी. ब्यूटी पार्लर से निकल कर जब वंशिका ने अपने को देखा तो उसको यकीन ही नही हुआ कि यह उसकी त्वचा है. लता ने समझाया 'वंशिका हम अपनी बॉडी से पूरे दिन काम लेते है. इससे इसकी चमक खो जाती है. इस पर तमाम तरह का मेकअप होता है उसका असर भी होता है.

रोजाना खाएं चेरी, सेहत को मिलेंगे 6 बेमिसाल फायदे

चेरी गर्मियों और मानसून का खट्टा-मीठा फल है, इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व जैसे कार्बोहाइड्रेट, कई तरह के विटामिन (ए, बी, सी), बीटा कैरोटीन, कैल्शियम, लोहा, पोटेशियम, फॉस्फोरस सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। आइए, आपको बताते हैं रोजाना चेरी खाने के फायदे-

आंखों को फायदा:- चेरी में भरपूर मात्रा में विटामिन ए पाया जाता है। इसलिए इसी नियमित खाना आंखों के लिए फायदेमंद होता है।

याद्दाशत बढाएं:- माना जाता है कि चेरी में याद्दाशत बढाने वाले गुण भी पाए जाते हैं।

अनिद्रा से छुटकार:- चेरी में मेलाटोनिन की बहुत मात्रा होती है, जो अनिद्रा व नींद की समस्या से छुटकारा दिलाने में मदद करता है।

हड्डियां मजबूत:- इसे नियमित खाने से हाथ-पैर की हड्डियों में होने वाले दर्द व हड्डियों की समस्याओं से राहत मिलती है।

दिल को रखे हैल्दी:- चेरी में आयरन, मैगनीज, जिंक, पोटेशियम आदि कई पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। इसके साथ ही इसमें बिटा कैरोटीन भी होता है जो दिल की बीमारी को दूर करने में मदद करता है।

आईलाइनर फैल जाता है तो अपनाएं यह वॉटरप्रूफ तरीका

महिलाओं को आईलाइनर लगाना बहुत पंसद होता है। लेकिन गर्मियों में आईलाइनर के स्मज हो जाने की समस्या ज्यादातर महिलाओं को झेलनी पड़ती है। हम आज आपके लिए आईलाइनर को स्मज होने से बचाने का वाटरप्रूफ तरीका बता रहे हैं।

अपनी जगह पर ही टिका रहता है

आंखों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए महिलाएं ज्यादातर ब्लैक पेंसिल लाइनर का इस्तेमाल करती है। गर्मियों में यह अक्सर खराब हो जाता है। आपकी ऊपरी पलकों पर काजल फैल जाता है। इसलिए आईलाइनर की जगह आईशैडो का इस्तेमाल किया जा सकता है। आईशैडो ऑयली और क्रीमी नहीं होता है और अपनी जगह पर ही टिका रहता है। सबसे अच्छी बात है कि अगर फैल भी जाए तो भी बुरा नहीं लगता।

पेंसिल लाइनर की जगह लगाए आईशैडो

अपनी आंखों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए महिलाएं ज्यादातर ब्लैक पेंसिल लाइनर का इस्तेमाल करती है। गर्मियों में यह अक्सर खराब हो जाता है। आपकी ऊपरी पलकों पर काजल फैल जाता है। इसलिए आईलाइनर की जगह आईशैडो का इस्तेमाल किया जा सकता है। आईशैडो ऑयली और क्रीमी नहीं होता है और अपनी जगह पर ही टिका रहता है। सबसे अच्छी बात है कि अगर फैल भी जाए तो भी बुरा नहीं लगता।

वाटरप्रूफ लिक्विड लाइनर

वाटरप्रूफ लिक्विड लाइनर अक्सर लोगों को झंझट का काम लगता है। लेकिन मॉनसून में वाटरप्रूफ लिक्विड लाइनर का इस्तेमाल अच्छा होता है। इससे ये साफ महीन लाइन सी रहती है। ये पेंसिल लाइनर की फैलता भी नहीं है।

आईशैडो के साथ पेंसिल लाइनर

आईशैडो के साथ पेंसिल लाइनर लगाने की तकनीक अक्सर मेकअप आर्टिस्ट करते रहते है। स्मजिंग से बचने के लिए आप पेंसिल आईलाइनर को आईशैडो के साथ मिलाकर लगाएं। आईशैडो पेंसिल, आईलाइनर के ऑइली पिगमेंट्स को लॉक कर देती है। इसके लिए आप छोटे और महीन ब्रश का इस्तेमाल कर सकती हैं।

प्राइमर लगाएं

प्राइमर एक प्रफेशनल मेकअप प्रॉडक्ट माना जाता है, जो त्वचा को एक समान करने के काम आता है। साथ ही ये मेकअप को बेस देने का काम भी करता है। प्राइमर मेकअप को स्मज होने से बचाता है। इसलिए अगर आप आंखों के लिए भारी मेकअप करने का प्लान कर रही हैं, तो पलकों पर प्राइमर भी लगा सकती है।

प्रदेश-व्यापी सुशासन तिहार के दूसरे दिन भी लोगों का दिखा उत्साह

गांव-गांव, शहर-शहर में लोग समाधान पेटियों में जमा कर रहे आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जनता-जनार्दन की समस्याओं के निदान और उनसे रूबरू मुलाकात के लिए सुशासन तिहार का प्रदेशव्यापी शुभारंभ 08 अप्रैल से हो गया है। तीन चरणों में आयोजित होने वाला यह सुशासन तिहार 31 मई तक चलेगा। प्रथम चरण में 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक आम जनता से ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के कार्यालयों में सीधे आवेदन लिए जा रहे हैं। सुशासन तिहार को लेकर लोगों में आज दूसरे दिन भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, और लोग अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन लेकर उसे ग्राम पंचायत और नगर पंचायत कार्यालयों में लगी समाधान पेटी में जमा कर रहे है।

नारायपुर जिले के देवगांव, गौरदंड, फरसगांव, कापसी, सुलेंगा, धौड़ाई, कुढ़ार गांव, सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम पंचायत कोतमरा, कटेली और भोथली में, अंबिकापुर जिले में विकाखण्ड बतौली और सीतापुर के खड़गवां, भटको, कुनकुरी देवगढ़ और सोनतराई ग्राम पंचायत में लोगों ने उत्साहपूर्वक अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन दिया। कमिश्नर और कलेक्टर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी सुशासन तिहार की व्यवस्था का जायजा लेने के साथ लोगों को उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए बिना किसी हिचक के आवेदन पत्र देने की भी समझाइश दे रहे हैं।

सुशासन तिहार के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन पोर्टल एवं कॉमन सर्विस सेंटर के जरिए भी आवेदन प्राप्त किए जाने की व्यवस्था है। विकासखंडों और जिला मुख्यालयों में भी आवेदन प्राप्त करने हेतु समाधान पेटी रखी गई है, जहां लोग अपनी समस्याओं के संबंध में आवेदन डाल रहे है। जनसमान्य की समस्याओं से संबंधित आवेदनों को भरने के लिए ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायो के कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाई गई है, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन देने में किसी भी तरह की परेशानी न हो। कई जिलों में आवेदन पत्र तैयार करने में सहायता के लिए दिव्यांग संगवारी और संगवारी दीदी भी तैनात किए गए है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा सुशासन एवं पारदर्शिता के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सुशासन तिहार-2025 का आयोजन एक महत्वपूर्ण पहल है। सुशासन तिहार-2025 के तहत सभी प्राप्त आवेदनों की सॉफ्टवेयर में प्रविष्टि कर संबंधित विभागों को सौंपा जाएगा, और एक माह के भीतर उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि सुशासन तिहार 2025 का उद्देश्य जनसामान्य की समस्याओं का प्रभावी एवं त्वरित समाधान, शासकीय कार्यों में पारदर्शिता और जनता से सीधा संवाद स्थापित करना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने पूर्व में ही सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे सुशासन तिहार के सुव्यवस्थित आयोजन और इसके अंतर्गत प्राप्त होने वाले आवेदनों के तत्परता से निराकरण को सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राज्य और जिला स्तर पर निराकरण की स्थिति और गुणवत्ता की समीक्षा भी की जाएगी।

सुशासन तिहार के तीसरे चरण में प्रत्येक जिले की 8 से 15 ग्राम पंचायतों के मध्य समाधान शिविर आयोजित होंगे। नगरीय निकायों में भी आवश्यकतानुसार शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविरों में आमजन को उनके आवेदन की स्थिति से अवगत कराया जाएगा, तथा यथासंभव आवेदन का त्वरित निराकरण भी वहीं किया जाएगा। शेष समस्याओं का निराकरण एक माह के भीतर कर सूचना दी जाएगी। समाधान शिविरों में जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और हितग्राहीमूलक योजनाओं के आवेदन प्रपत्र भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इस अभियान में सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, मुख्य सचिव, प्रभारी सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी स्वयं शिविरों में उपस्थित रहकर आमजन से संवाद करेंगे, और विकास कार्यों व योजनाओं से मिल रहे लाभ का फीडबैक लेंगे। साथ ही औचक निरीक्षण के माध्यम से चल रहे निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति और गुणवत्ता का भी मूल्यांकन किया जाएगा।

बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और सुपोषण के लिए मनाया जा रहा पोषण पखवाड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, सुपोषण और कुपोषण उन्मूलन के उद्देश्य से 8 से 22 अप्रैल 2025 तक पोषण पखवाड़ा का व्यापक रूप से आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार सभी विभाग प्रमुखों को महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय करते हुए इस अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

पोषण पखवाड़ा की शुरुआत 8 अप्रैल को साइकिल और बाइक रैली तथा पोषण रथ के माध्यम से की गई, जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को कुपोषण से मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर जनसमुदाय की भागीदारी से विभिन्न तिथियों पर खास गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान जीवन के पहले 1000 सुनहरे दिनों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिसमें गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को पोषण, स्तनपान और पूरक आहार की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से माताओं की स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था भी की गई है।

पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत बच्चों में कुपोषण प्रबंधन, मोटापे की रोकथाम, संतुलित आहार की महत्ता, जंक फूड के दुष्प्रभाव और स्वच्छता के महत्व पर भी जागरूकता फैलाई जा रही है। 'हमर स्वस्थ लईका' अभियान के तहत आंगनबाड़ी के बच्चों की पोषण स्थिति का आकलन किया जा रहा है। इसके अलावा, किशोरी बालिकाओं और माताओं में एनीमिया जागरूकता अभियान के अंतर्गत हीमोग्लोबिन जांच की जा रही है और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्लास्टिक उपयोग में कटौती का संदेश भी दिया जा रहा है। सभी गतिविधियों को 'जन आंदोलन डैशबोर्ड' पर दर्ज किया जा रहा है, ताकि प्रयासों की मॉनिटरिंग और मूल्यांकन संभव हो सके। पोषण पखवाड़ा राज्य के नागरिकों को सुपोषित और स्वस्थ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आ रहा है, जिसमें जनभागीदारी और विभागीय समन्वय की विशेष भूमिका है।

गरियाबंद जिले के प्रभारी सचिव हिमशिखर गुप्ता पहुंचे ग्राम पाण्डुका, पोंड और श्यामनगर

आवेदन देने आए ग्रामीणों से की चर्चा, कहा-समस्या एवं शिकायतों का जल्द होगा समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप प्रदेश के साथ-साथ गरियाबंद जिले में भी सुशासन तिहार 2025 का आगाज 8 अप्रैल से शुरू हो गया है, जिसमें नागरिकों द्वारा अपनी मांग एवं समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन देने का सिलसिला जारी है। ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र के लोग शिविर में नि:संकोच आवेदन कर रहे हैं।

इसी तारतम्य में गरियाबंद जिले के प्रभारी सचिव हिमशिखर गुप्ता ने फिंगेश्वर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत श्यामनगर में चल रहे सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का परीक्षण किया। उन्होंने आवेदकों से चर्चा करते हुए कहा कि सुशासन तिहार में आवेदक अपनी मांग, समस्या एवं शिकायतों से संबंधी आवेदन समाधान पेटी में डाले और

आवेदन की पावती भी अनिवार्य रूप से प्राप्त करें। अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा सुशासन तिहार के दूसरे चरण में लगभग एक माह के भीतर प्राप्त आवेदनों का निराकण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आवेदकों को पात्रता अनुसार लाभान्वित किया जायेगा।

प्रभारी सचिव श्री गुप्ता ने श्यामनगर की सरपंच से चर्चा कर उनके गांव की समस्याओं तथा मनरेगा के तहत चल रहे कार्यो की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों के मांग के अनुरूप नियमानुसार गांव में नरेगा के तहत कार्य स्वीकृत करने के निर्देश दिये, जिससे कि ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध हो सके। इसके अलावा उन्होंने बिहान समूह की महिलाओं से चर्चा करते हुए उनके द्वारा किये जा रहे गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान बिहान समूह की महिलाओं ने बताया कि गेंदा फूल की खेती करते थे। श्री गुप्ता ने उन्हें अच्छे से प्रशिक्षित करने के निर्देश दिये, ताकि उन्हें स्वरोजगार एवं उनकी आर्थिक उन्नति हो सके।

इसके अलावा बिहान समूह की महिलाओं को ड्रोन दीदी के रूप में भी प्रशिक्षित करने के निर्देश दिये। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभिन्न समूहों को दिये गये ऋण एवं प्रशिक्षण की जानकारी लेते हुए पंजियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने उप स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण कर संस्थागत प्रसव की जानकारी ली।

प्रभारी सचिव श्री गुप्ता ने छुरा विकासखण्ड के पाण्डुका स्थित लाईव फिस वेंडिंग सेंटर का अवलोकन किया, जिसमें प्रधानमंत्री मत्स्य योजना के तहत श्री महेन्द्र साहू मछली पालन कर रहे है। उन्होंने इस कार्य के लिए स्वसहायता समूह की महिलाओं को भी जोड़ने के निर्देश दिये, जिससे उन्हें रोजगार मिल सके। इसके अलावा ग्राम पोंड के आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 6 पहुंचकर बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों में मिलने वाली सुविधाओं जैसे मेन्यू के अनुसार भोजन, पोषण आहार, स्वास्थ्य जांच और छोटे बच्चों के सार्वांगिण विकास के लिए विभिन्न गतिविधयों की जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल, पुलिस अधीक्षेक निखिल राखेचा, जिला पंचायत के सीईओ जीआर मरकाम, एसडीएम विशाल महाराणा, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय, मत्स्य विभाग के सहायक संचालक आलोक वशिष्ट सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

प्रशासन ने दिया जल्द समाधान का भरोसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। सुशासन तिहार के तहत जिला प्रशासन ने नवाचार और संवेदनशील पहल की शुरुआत की है। इसी कड़ी में आज जिला अस्पताल में कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी की उपस्थिति में सुशासन संगवारियों ने मरीजों से मुलाकात की। इस दौरान मरीजों से उनकी समस्याओं, शिकायतों और मांगों से संबंधित आवेदन लिए गए, और उन्हें आवेदन भरने में मदद भी की गई। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने इस पहल को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, हमारी जिम्मेदारी है कि सुशासन तिहार के दौरान सभी वर्गों को इसका लाभ पहुंचे और समाज के सबसे अंतिम पंक्ति के व्यक्ति की समस्याओं का समाधान हो। उन्होंने यह भी बताया कि अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों से लिए गए आवेदन के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान समय पर किया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा, सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य समाज के सभी पात्र व्यक्तियों की समस्याओं का समाधान करना है, ताकि उनकी जायज मांगों पर उचित निर्णय लिया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार, समाज और शासन की समन्वित रणनीति से समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल प्रशासन द्वारा मरीजों और नागरिकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारी व अस्पताल के डॉक्टर व स्टॉफ भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

राजनीतिक कार्यकर्ताओं को अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए दंडित नहीं किया जाएगा : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और निष्पक्ष शासन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए विभिन्न जिलों में दर्ज 103 गैर-गंभीर राजनीतिक प्रकरणों की वापसी का निर्णय लिया है। गृह विभाग द्वारा जिलों से प्राप्त रिपोर्ट और विस्तृत समीक्षा के बाद मंत्रिमंडलीय उपसमिति की अनुशंसा पर यह फैसला लिया गया। न्यायालय से विधिवत स्वीकृति मिलने के पश्चात 41 प्रकरणों में अभियुक्तों को राहत प्रदान की गई और संबंधित पुलिस रिकॉर्ड से उनके नाम हटा दिए गए।

नारायणपुर जिले के 1 प्रकरण को वापस लिया गया है। धार्मिक भावनाओं को उकसाने और मुख्य मार्ग पर चक्काजाम करने के मामले में रुपसाय सलाम, अंकित नंदी, पवन कुमार, अतुल नेताम, डोमेंद्र यादव, रमेश पोटाई, मंगलू राम कावड़े,

लहरु राम नेताम, राम नेताम, निरंजन करंगा, राजू दुग्गा,सुकमन नेताम, लछु राम कोर्राम, रामसिंह हिचामी, मंगतू राम करंगा, आसमान नेताम, सूरज कोर्राम, दिनेश सलाम, सुरेश कुमार, राजाराम कावड़े, लच्छराम साहू, नरेंद्र नाग, अनूप कुमेटी और लच्छन नेताम के विरुद्ध अपराध क्रमांक 2/23 दर्ज किया गया था। न्यायालय द्वारा 14 दिसंबर 2024 को इस प्रकरण की वापसी को स्वीकृति दी गई।

उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी की सरकार सुशासन की सरकार है। हमारी सरकार में किसी भी निर्दोष के साथ गलत नही होने दिया जाएगा। लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात रखने और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में कई ऐसे राजनीतिक प्रकरण दर्ज किए गए थे, जो केवल लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रयोग का हिस्सा थे। हमारी सरकार की नीति हमेशा यही रही है कि राजनीतिक कारणों से किसी भी निर्दोष व्यक्ति को झूठे मुकदमों में न फंसाया जाए। इसलिए हमारी सरकार ने निष्पक्षता के साथ इन मामलों की समीक्षा कर ऐसे सभी गैर-गंभीर मामलों को वापस लेने का निर्णय लिया है।

उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री शर्मा ने आगे कहा कि हमारी सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है और किसी भी नागरिक के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं होने दिया जाएगा। यह निर्णय न केवल न्यायसंगत है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। विपक्ष की तुष्टिकरण और दमनकारी नीतियों के विपरीत, हमारी सरकार पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुशासन में विश्वास रखती है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जो प्रकरण कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले या हिंसक गतिविधियों से जुड़े हुए थे, उनकी समीक्षा अलग प्रक्रिया के तहत की गई है। लेकिन जिन मामलों में केवल राजनीतिक विरोध या लोकतांत्रिक आंदोलन हुआ था और किसी प्रकार की हिंसा नहीं हुई थी, उन्हें न्यायालय से स्वीकृति प्राप्त कर वापस लिया गया है। हमारी सरकार की मंशा स्पष्ट है हम जनता के हक की रक्षा करेंगे, लोकतंत्र की भावना को मजबूत करेंगे और राजनीतिक द्वेष के आधार पर लिए गए निर्णयों को सुधारेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार जनता की सरकार है और हम किसी भी निर्दोष व्यक्ति पर बेवजह कानूनी बोझ नहीं डालने देंगे।

राजनीतिक प्रकरणों की वापसी एक विस्तृत और कानूनी प्रक्रिया के तहत की जाती है। सबसे पहले राज्य शासन द्वारा सभी जिलों में दर्ज राजनीतिक प्रकरणों की समीक्षा की जाती है। गृह विभाग द्वारा संबंधित जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर यह तय किया जाता है कि कौन-से मामले गंभीर प्रकृति के नहीं हैं और जिनमें हिंसक घटनाएं शामिल नहीं हैं। इसके बाद मंत्रिमंडलीय उपसमिति की अनुशंसा उपरांत, प्रकरण को मंत्रिपरिषद में अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाता है। अनुमोदन प्राप्त होने के बाद न्यायालय में प्रकरण वापसी का आवेदन प्रस्तुत किया जाता है। न्यायालय द्वारा इस मामले की विधिवत समीक्षा के उपरांत अभियुक्तों को राहत प्रदान करने की अनुमति दी जाती है।

कलेक्टर ने लोगों से उनकी समस्याएं मौके पर सुनी

बेमेतरा। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने आज साजा जनपद में सुशासन तिहार 2025 की तैयारियों को लेकर सभी जिला अधिकारियों की विभागवार समीक्षा बैठक ली। बैठक में कार्यक्रम की सुचारु रूप से क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के उपरांत कलेक्टर ने साजा स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया और वहाँ की चिकित्सा सुविधाओं का जायज़ा लिया। उन्होंने दवाओं की उपलब्धता, मरीजों को दी जा रही सेवाओं तथा स्वच्छता व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने इलाज हेतु आए मरीजों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं व सुझावों को गंभीरता से सुना। कलेक्टर ने अस्पताल के प्रसूति कक्ष, मरीज वार्ड, दवाई वितरण कक्ष एवं इंजेक्शन कक्ष का निरीक्षण कर स्टाफ को समुचित इलाज और बेहतर व्यवहार के निर्देश दिए।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

सराफा दुकानों से लाखों के गहने पार, शातिर चोर गिरोह पकड़ाया

बिलासपुर। सराफा दुकान में खरीदारी के बहाने लगातार चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह पर बिलासपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के मार्गदर्शन में थाना बिल्हा और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए 26 लाख रुपये से अधिक कीमती माल बरामद किया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी बिल्हा निरीक्षक उमेश कुमार साहू, एसीसीयू निरीक्षक अजहर, और उनकी टीम के बलराम विश्वकर्मा, संतोष मरकाम, सुमन कश्यप, अविनाश कश्यप, बोधू कुम्हार, महिला आरक्षक जिवंती भगत और सुनीता पाटले ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई। बिल्हा स्थित शिवशंकर ज्वेलर्स के संचालक मनोहर जायसवाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी दुकान से लगातार कीमती आभूषण गायब हो रहे हैं। संदेह के आधार पर जब ष्टष्टझङ्क फुटेज खंगाले गए, तो पता चला कि कुछ महिलाएं, जो पिछले 2-3 वर्षों से दुकान में खरीदारी के बहाने आती थीं, चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रही थीं। मुखबिर की सूचना पर जब यह गिरोह दोबारा चोरी की नीयत से दुकान के पास आया, तो पुलिस ने घेराबंदी कर चारों आरोपियों को धर दबोचा। पूछताछ में उन्होंने चोरी की बात कबूल की। सोने के आभूषण करीब 23 तोला चांदी के आभूषण करीब 1।6 किलो नकद राशि 4,47,000 कुल जब्ती ?26,83,230 प्रयुक्त वाहन 2 कारें गिरफ्तार आरोपी संजना साहू उर्फ रेखा तिवारी (36 वर्ष), पति संजू तिवारी सीमा साहू (30 वर्ष), पति गोलू साहू अनिता साहू (25 वर्ष), पति कोमल साहू कोमल साहू (26 वर्ष), पिता सुखराम साहू।

लॉज में मिला युवक का शव, बदबू से हुआ खुलासा

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी में बस स्टैंड के पास स्थित आशियाना लॉज के कमरा नंबर 208 में एक युवक का शव मिला है। लॉज के कर्मचारियों ने होटल से बदबू आने के बाद लॉज के मालिक को जानकारी दी। जांच के दौरान, पता चला कि युवक 1 अप्रैल को होटल में चेक-इन किया था। 6 दिन बाद उसकी लाश बरामद हुई। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। यह घटना कोतवाली थाना का है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव की पहचान की और दस्तावेजों की जांच की। शव की पहचान किशोर कुमार वैष्णव (27) के रूप में हुई, जो बिलासपुर जिले के सीपत थाना क्षेत्र के चोरहा देवरी, खैरा डंगनिया गांव का रहने वाला था। वह लॉज के कमरे नंबर 208 में ठहरा हुआ था। जानकारी के अनुसार, बस स्टैंड के पास आशियाना लॉज में एक शव मिला। मामले का खुलासा तब हुआ जब होटल से बदबू आने लगी। लॉज के कर्मचारियों ने होटल से बदबू आने के बाद लॉज के मालिक को जानकारी दी।

ऑनलाईन सट्टा संचालित करते सटोरिया गिरफ्तार

रायपुर। जिले के गोबरा नवापारा थानाक्षेत्र मे ऑनलाईन क्रिकेट सट्टा का संचालन करने वाले एक सटोरिये को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 4(क) सार्वजनिक द्युत अधिनियम छग संशोधन अधिनियम 1976 तथा छग जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 7 के तहत कार्यवाही की है। बता दें कि पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज रायपुर अमरेश मिश्रा तथा पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट को जुआ एवं सट्टा पर पूर्णरूपेण अंकुश लगाने हेतु जुआ, सट्टा एवं ऑन लाईन सट्टा संचालित करने वालों की पतासाजी कर उन पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में दिनांक 08.04.25 को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना गोबरानवापारा क्षेत्रांतर्गत ग्राम कुर्रा स्थित सोनेसिल्ली जाने का मार्ग रेल्वे अंडर ब्रिज के पास एक व्यक्ति आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान मोबाईल फोन में ऑन लाईन सट्टा संचालित कर रहा है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना गोबरानवापारा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया।

दुर्ग में मासूम से दुष्कर्म व हत्या : परिजनों का दावा- बच्ची का चाचा नहीं है आरोपी, कर दी सीबीआई जांच की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग में मासूम से दुष्कर्म व हत्या के मामले में परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बच्ची के माता-पिता का कहना है कि इस मामले में असली आरोपियों का बचाव किया जा रहा है। यहां तक बच्ची की मां ने पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग कर दी। मां का यहां तक कहना है कि उन्हें किसी तरह का मुआवजा नहीं चाहिए बल्कि न्याय चाहिए।

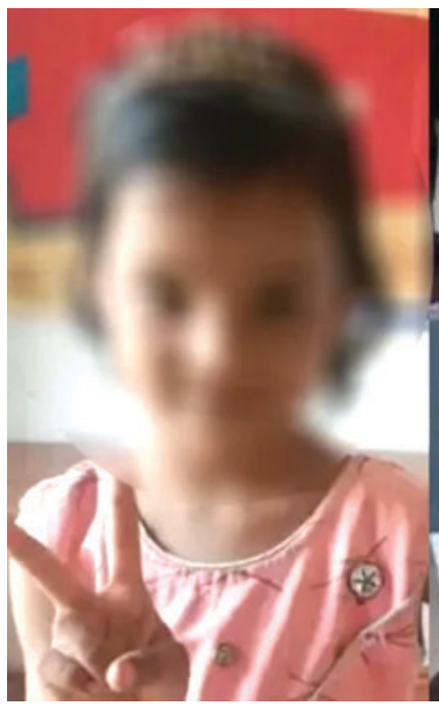

बता दें 6 अप्रैल 2025 को ओम नगर उरला में 6 साल की बच्ची कन्या भोज के लिए गई थी। बच्ची शाम तक नहीं लौटी तो उसकी खोजबीन शुरू हुई। बच्ची की लाश घर के पास कार में मिली। पीएम में बच्ची से दुष्कर्म व हत्या की पुष्टि हुई। इस मामले में पुलिस ने बच्ची के सगे चाचा को गिरफ्तार किया। सगे चाचा ने बच्ची को अपने घर के ऊपर की मंजिल में बने कमरे में ले गया और दुष्कर्म किया। बच्ची को सिगरेट से दागने व इलेक्ट्रिक शॉक देने की बात भी सामने आई। इस घटना के बाद दुर्ग में काफी तनाव का माहौल था। मामले में पुलिस ने पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं इस केस की सही जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया गया है। टीम के सभी अधिकारी तेजी से मामले की जांच करेंगे। मामले साक्ष्य को इकट्ठा कर चार्ज शीट जल्द से जल्द कोर्ट में चालान के रूप में रखेंगे और कोर्ट से मांग करेंगे की आरोपी को फांसी की सजा दी जाए।

इधर इस मामले में जब हमारी टीम ने बच्ची के माता पिता से बात की तो उन्होंने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। बच्ची के पिता ने बताया कि उसका भाई ऐसा नहीं कर सकता। उसे जबरन फंसाया जा रहा है। उसने बताया कि उसके भाई व्यवहार उसकी बेटी से पिता के समान ही था। वहीं बच्ची की मां भी यह मानने को तैयार नहीं कि उसके बच्ची के चाचा ने ऐसा किया होगा। उसने किसी और को ही आरोपी बताया और बच्ची के चाचा को फंसाने की बात कही। बच्ची की मां ने इस पूरे मामले में सीबीआई जांच तक की मांग कर दी। उन्होंने यह भी कहा कि मुआवजे की राशि देने के बजाय उन्हें न्याय दिया जाए।

बाइक चोर गिरोह पकड़ाया, 10 बाइक के साथ गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बाइक चोर गिरोह का भांडाफोड़ किया गया है। साइबर सेल और थाना पूंजीपथरा पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 10 चोरी की बाइक, 2 रेंजर साइकिल और 3 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। कुल जब्त संपत्ति की कीमत लगभग 3 लाख 33 हजार रुपये आंकी गई है।

इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए नगर पुलिस अधीक्षक आकाश शुक्ला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपी रायगढ़, छाल, पूंजीपथरा और ओडिशा के बरगढ़ इलाके से वाहन व मोबाइल की चोरी कर उन्हें खपाने का काम कर रहे थे। पूंजीपथरा थाना प्रभारी राकेश मिश्रा की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी किशोर को हिरासत में लिया और पूछताछ की।

पूछताछ में आरोपी ने सारी सच्चाई बताई और अपने साथियों का नाम भी बता दिया। आरोपी के मेमोरेंडम पर उसके बाकी चार साथियों जेसीयल भगत, सुधीर मालाकार, विकास जायसवाल और सोनू चौहान को गिरफ्तार किया गया।

फर्जी सीम मामले में डोंगरगांव का एक और आरोपी हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। प्रिय ग्राहक आप अपना सीम एक्टीवेट कराते समय सतर्क रहें। सिम इशु करने के लिए एक बार पूरी प्रकिया करने के बाद ''सिम एक्टीवेट नहीं हो रहा है फिर से पूरी प्रकिया करना होगा'' कह कर पी.ओ.एस. के संचालक 02 सिम एक्टीवेट कर लेते हैं और ग्राहक को पता भी नहीं चलता। एक सिम ग्राहक को देते हैं और दूसरा सीम अपने पास चुपके से रख लेते हैं जिसे सायबर ठगों को ज्यादा मुनाफा लेकर बेच देते हैं।

पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग के निर्देशन में जिले में ''मिशन साइबर सुरक्षा'' के तहत् लगातार विभिन्न सायबर अपराधों में संज्ञान लेकर कार्यवाही की जा रही है इसी तारतम्य में पुलिस

छुरिया राजनांदगांव के द्वारा फर्जी सिम कार्ड आबंटित किया जा रहा है और इसका उपयोग सायबर अपराधों में भारत के साथ साथ विदेशों में (जैसे म्यांमार, कंबोडिया, लाओस एवं फिलिपिंस) में भी किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गैंदाटोला निरीक्षक अरुण कुमार नामदेव द्वारा साइबर सेल राजनांदगांव की सूचना पर अपराध क्रमांक 14/2025 धारा 318(4),61 (2), बीएनएस एवं 66(सी) आई.टी. एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना किया जा रहा था विवेचना के क्रम में पी.ओ.एस. छोटू मोबाइल के एजेंट प्रशांत कुमार द्वारा भी ग्राहकों के व्यक्तिगत दस्तावेज से फर्जी तरीके से सिम एक्टिवेट करना पाए जाने पर प्रशांत साहू से पूछताछ कर मेमोरेंडम कथन लेकर घटना में प्रयुक्त एक नग ओप्पो मोबाइल फोन, ब्लैंक सिम कार्ड और एजेंट बनने संबंधी दस्तावेज जप्त कर आज दिनांक 9 अप्रैल 2025 के विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी गैंदाटोला निरीक्षक अरुण कुमार नामदेव, आरक्षक मोहित साहू, आरक्षक श्रवण कुमार पैकरा, आरक्षक भरथरी चौरे, आरक्षक राकेश साहू एवं थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

गजानंद ऐप से ऑनलाईन सट्टा चलाते तीन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज रायपुर अमरेश मिश्रा तथा पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट को जुआ एवं सट्टा पर पूर्णरूपेण अंकुश लगाने हेतु जुआ, सट्टा एवं ऑन लाईन सट्टा संचालित करने वालों की पतासाजी कर उन पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके तारतम्य में दिनांक 02.04.25 को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तिल्दा नेवरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा थाना तिल्दा नेवरा क्षेत्रांतर्गत वार्ड नं. 06 स्थित एक मकान में गजानंद ऐप से ऑन-लाईन सट्टा संचालित करते आरोपी हर्ष पंजवानी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 04 नग मोबाईल फोन तथा नगदी रकम जुमला कीमती लगभग 60,000/- रूपये तथा विभिन्न कम्पनी के चेकबुक, पासबुक एवं ए.टी.एम. कार्ड एवं सट्टा के पैसों का हिसाब- किताब जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना तिल्दा नेवरा में अपराध क्रमांक 125/25 धारा 4(क) जुआ एक्ट एवं छ0ग0 जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 7 का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया है। इसी क्रम में गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ एवं विवेचना के दौरान एप का आईडी लेकर ऑनलाईन सट्टा संचालित करने वालो के संबंध में पतासाजी की जा रही थी।

इसी दौरान उक्त एप का लाईन लेकर ऑनलाईन सट्टा संचालित करने वाले तिल्दा निवासी खूबी राम पटेल एवं सोनू सेन को भी पकड़ा गया। टीम के सदस्यों द्वारा दोनो के मोबाईल फोन को चेक करने पर उनके द्वारा उक्त एप के माध्यम से ऑनलाईन सट्टा संचालित करना पाये जाने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 03 नग मोबाईल फोन जुमला कीमती लगभग 60,000/- रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना तिल्दा नेवरा में अपराध क्रमांक 125/25 धारा 4(क) जुआ एक्ट एवं छ0ग0 जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 7 के तहत कार्यवाही किया गया है। साथ ही ऑनलाईन सट्टे के संचालन हेतु पैसो के लेन-देन के लिये उपयोग किये जाने वाले 228 बैंक खातों को फ्रीज़ कराया गया है।

मोटर सायकल चोरी : आरोपी संदीप बिसेन व मयूर टेमरे गिरफ्तार

रायपुर। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी निखिल नायडु पिता नारायण नायडु उम्र 25 साल निवासी सिन्हा किराना स्टोर के पीछे शिवानंद नगर सेक्टर 03 खमतराई जिला रायपुर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया है कि उनके माँ के नाम से पंजीकृत मोटर सायकल होण्डा एसपी 125 कमांक सीजी 04 PV 2263 को दिनांक 06.04.2025 रात्रि लगभग 10.30 बजे घर के पास खड़ी कर सो गया था, सुबह देखने पर उक्त मोटर साकयल खड़े किये स्थान पर नही था, किसी अज्ञात चोर चोरी कर ले जाने प्रार्थी कि रिपोर्ट पर अपराध कमांक 336/2025 धारा-303 (2) बीएनएस दर्ज कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान मुखबीर से सूचना मिली की 02 व्यक्ति खमतराई ओव्हर ब्रिज के पास एक मोटर सायकल होण्डा एसपी 125 सीसी लाल काले रंग की है बताकर जिसे बेचना है की सूचना पर दोनों संदिग्ध व्यक्तियों को थाने लाकर उक्त वाहन के संबंध में पूछताछ करने पर संतोषप्रद जवाब नहीं मिला। गाड़ी नम्बर पूछने पर सीजी 04 PV 2263 को अपने पास रखना बताये।

अश्लील वीडियो बनाने वाले आरोपी को मुंगेली पुलिस ने 24 घण्टे के भीतर किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। आरोपी आदर्श सिंह के द्वारा पीड़िता से स्नैपचैट बातचीत को परिजनो को भेजने की धमकी देकर डरा धमकाकर पीड़िता का अश्लील विडियो स्नैपचैट के माध्यम से स्क्रीन रिकार्ड कर वायरल करने वाले आरोपी को मुंगेली पुलिस द्वारा गिर. कर ज्युडिशियल रिमाण्ड पर जेल दाखिल।

प्रार्थी के द्वारा लिखित आवेदन पेश किया की दिनांक 15.3.2025 को मेरी भाभी के व्हाट्सएप नंबर पर उनकी ननद के द्वारा मेरी लड़की का अश्लील स्नैपचैट वीडियो रिकार्डिंग भेजी थी जिसे देखने के बाद मेरी भाभी ने मुझे घर आकर बताई थी आपकी लड़की का स्नैपचैट वीडियो रिकार्डिंग को कोई वायरल कर दिया है तब पीड़िता से पुछने पर वीडियो के संबंध में तब पीड़िता पुत्री ने मुझे बताया कि 8 मार्च 2023 से वह बैहरसरी निवासी आदर्श सिंह से स्नैपचैट एवं फोन पर बातचीत करती थी तब आदर्श सिंह के द्वारा पीड़िता को स्नैपचैट में बोला कि कपड़ा उतार कर मुझे वीडियो काल करो नहीं करोगी तो स्नैपचैट की बातचीत को तुम्हारे घर वालों को वायरल कर दूंगा बोलकर धमकी देने लगा तब माह अप्रैल/मई माह मे पीड़िता डरकर स्नैपचैट में वीडियो कॉलिंग के माध्यम से अपना आपत्तिजनक विडियो दिखाई थी जिसे वह अपने मोबाइल में स्क्रीन रिकॉर्ड कर सेव कर लिया था और बातचीत करते समय पीड़िता को शारीरिक संबंध बनाने का भी मांग किया था लेकिन पीड़िता द्वारा मना कर दिया गया तो आदर्श के द्वारा पीड़िता को अश्लील गाली गलौज भी किया जाता था तो वह डर से घर में किसी को नहीं बताई थी करीब 2 वर्षों से बातचीत बंद होना बताई है जिसके कारण आदर्श सिंह के द्वारा अब वर्तमान में अपने मोबाइल में पूर्व में सेव किये पीड़िता का स्नैपचैट वीडियो कालिंग आपत्तिजनक विडियो को हमारे परिजनों व दोस्तों को वायरल कर दिया है कि रिपोर्ट पर आदर्श सिंह के विरूद्ध दिनांक 07.04.2025 को अपराध धारा 294,506,354 (क) (1) 12 पोक्सो एक्ट एवं 67-बी आईटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया मुंगेली पुलिस अधीक्षक, भोजराम पटेल के द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये परिपालन मे अति. पुलिस अधीक्षक मुंगेली सुश्री नवनीत कौर छाबड़ा, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी मुंगेली श्री मयंक तिवारी के मार्ग दर्शन पर विवेचना के दौरान प्रार्थी, पीड़िता एवं गवाहो का कथन लेख कर आरोपी का लगातार पता तलाश किया गया, सायबर सेल से तकनीकी माध्यम से आरोपी आदर्श सिंह को हिरासत में लिया गया, आरोपी से पुछताछ करने पर घटना को स्वीकार करने पर आरोपी द्वारा उपयोग में लाया गया मोबाईल को विधिवत जप्त किया गया एवं आरोपी आदर्श सिंह पिता राणा प्रताप सिंह उम्र 23 साल निवासी बैहसरी थाना दाढी जिला बेमेतरा हाल मुकाम नया बस स्टैण्ड मुंगेली जिला मुंगेली छ.ग. को दिनांक 08.04.2025 के 13.00 बजे विधिवत गिरफ्तार कर गिर0 कर ज्युडिशियल रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया। उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक कार्तिकेश्वर जांगड़े, उपनिरीक्षक गिरजाशंकर यादव, उपनिरी. शोभा यादव प्र.आर.भुवन चतुर्वेदी, आर. मनोज टण्डन, रवि श्रीवास, योगेश यादव, विकास ठाकुर, अजय चन्द्राकर, रामकश्यप की अहम भुमिका रही।

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप ने संभाला पद

मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में 44 हजार 940 श्रमिकों को 15.37 करोड़ रुपए डीबीटी के जरिये अंतरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज नवा रायपुर स्थित बीओसी भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में 44 हजार 940 श्रमिको को 15.37 करोड़ रूपये डी.बी.टी. के जरिये अंतरित किये गए। मुख्यमंत्री साय ने पदभार ग्रहण करने पर डॉ. रामप्रताप सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल श्रमिक हित में बेहतर कार्य करेगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, स्वास्थ मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वन मंत्री केदार कश्यप खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल रमेश बैस (पूर्व राज्यपाल), विधायक धरमलाल कौशिक, रायमुनि भगत, पुरन्दर मिश्रा अनुज शर्मा श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

नई जिम्मेदारी मिलने पर डॉ. रामप्रताप सिंह को मुख्यमंत्री एवं श्रम मंत्री ने अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में एवं श्रम मंत्री की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा 44940 श्रमिकों को 15 करोड़ 37 लाख 48 हजार 157 रूपये डी.बी.टी. जरिये श्रमिको के खाते में ऑनलाईन अंतरित किये गये।

निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निशुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशि योजना के तहत 30,585 श्रमिकों को 04 करोड़ 05लाख 25 हजार रूपये, मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत 1055 श्रमिकों को 02 करोड़ 11 लाख, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना के तहत 3480 श्रमिकों को 52 लाख 19 हजार 500, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के तहत 32 श्रमिको को 32 लाख, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत 102 श्रमिको के उत्तराधिकारी को 01 करोड़ 10 लाख, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 70 हितग्राहियों 12 लाख 60 हजार 595, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत 2461 श्रमिकों के पुत्रियों को 4 करोड़ 92 लाख, 20 हजार, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 4237 हितग्राहियों को 87 लाख 25 हजार, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना के तहत 1048 श्रमिको को 36 लाख 19 हजार 780, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के अंतर्गत 177 हितग्राहियों को 35 लाख 40 हजार, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना के तहत 1687 श्रमिकों को 62 लाख 48 हजार 782, मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना के अंतर्गत 05 हितग्राहियो को 39 हजार 500 रूपये एवं निर्माण श्रमिको के बच्चे हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना के 01 हितग्राही को 50 हजार रूपये डी.बी.टी. के माध्यम से अंतरित किये गये।

इस मौके पर श्रम मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव की सरकार में प्रदेश के श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों का लगातार योजनाओं का लाभ तेजी से मिल रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनो के बेहतरी के लिये कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिये लगातार आर्थिक मदद दी जा रही है। बीते सवा साल में श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 500 करोड़ रूपये श्रमिकों के बैंक खाते में अंतरित किये जा रहे है। इस अवसर पर सचिव सह श्रमायुक्त, अलरमेलमंगई डी., छ.ग.भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के सचिव, गिरीश कुमार रामटेके, अपर श्रमायुक्त एस.एल.जांगड़े एवं सविता मिश्रा सहित निगम, मंडल, आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यगण, श्रम विभागीय अधिकारी व कर्मचारियों के साथ-साथ श्रमिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की ऊंची उड़ान

सीएम साय की पहल पर नवा रायपुर में कॉमन फैसिलिटी सेंटर की स्थापना

सेमीकंडक्टर, ईव्ही उद्योग को मिलेगा बढ़ावा, युवाओं के लिए बढ़ेंगे रोजगार के नये अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के औद्योगिक विकास की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-22 में ग्रीनफील्ड इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर के अंतर्गत एक अत्याधुनिक कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) की स्थापना की जा रही है। यह सेंटर इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में काम कर रहे उद्योगों और स्टार्टअप्स के लिए अत्यधिक लाभकारी साबित होगा।

यह कॉमन फैसिलिटी सेंटर तकनीकी नवाचार, औद्योगिक सहयोग और रोजगार सृजन का केंद्र बनेगा। यह प्रोजेक्ट, छत्तीसगढ़ को तकनीकी रूप से समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री साय के संकल्प को पूरा करने में मददगार होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी के मार्गदर्शन में यह परियोजना नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही है। इसके लिए केंद्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा ईएमसी 2.0 योजना के तहत 75 करोड़ रुपए की सहायता प्राप्त हुई है। इसकी कुल लागत 108.43 करोड़ रुपए है, जिसमें राज्य सरकार की भागीदारी 33.43 करोड़ रुपए की होगी। नवा रायपुर में 3.23 एकड़ भूमि में विकसित यह सेंटर प्रिंटेड सर्किट बोर्ड प्रोटोटाइपिंग, 3डी प्रिंटिंग, ईएमसी टेस्टिंग, पर्यावरण और विश्वसनीयता परीक्षण जैसी आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित है। इससे सेमीकंडक्टर, एलईडी लाइटिंग, सोलर चार्ज कंट्रोलर, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उपकरण, ऑटोमेशन सॉल्यूशन और एससीएडीए पैनल जैसे उत्पादों के निर्माण में लगे उद्योगों को तकनीकी सहयोग मिलेगा।

मुख्यमंत्री साय का कहना है कि हमारा उद्देश्य केवल उद्योग लगाना नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को तकनीकी अवसरों से जोड़ना और राज्य को आत्मनिर्भर बनाना है। यह कॉमन फैसिलिटी सेंटर निवेशकों के लिए एक नया अवसर है और यह छत्तीसगढ़ को इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण के मानचित्र पर प्रमुखता से स्थापित करेगा। यह सेंटर उन छोटे उद्यमों के लिए भी बेहद उपयोगी है जो अपने उत्पादों की गुणवत्ता जांचना चाहते हैं या नए डिजाइनों पर काम कर रहे हैं। स्टार्टअप्स अपने उत्पादों का परीक्षण कर सकेंगे, नवीन प्रोटोटाइप तैयार कर सकेंगे और तेजी से उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। इससे राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और उद्योगों को आवश्यक तकनीकी सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही राज्य सरकार की औद्योगिक नीति में मिलने वाले प्रोत्साहनों से राज्य में नए निवेश बढ़ेंगे। यह परियोजना छत्तीसगढ़ की औद्योगिक प्रगति में एक नया अध्याय जोड़ेगी और नवा रायपुर को तकनीक के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाएगी।

सीएम साय ने ली गृह विभाग की समीक्षा बैठक, बोले-

गिरफ्तारी नहीं बल्कि पुख्ता साक्ष्य के बल पर करें जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर में गृह विभाग के कार्यो की समीक्षा की। मुख्यमंत्री साय ने भारत सरकार द्वारा लागू किए गए नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रभावी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये कानून न केवल न्याय प्रणाली में सुधार लाने वाले हैं, बल्कि अपराधियों में भय और आम जनता में विश्वास उत्पन्न करने में सहायक होंगे।

उन्होंने कहा कि आपराधिक प्रकरणों में केवल गिरफ्तारी ही नहीं, बल्कि सटीक और पुख्ता साक्ष्य के आधार पर विवेचना पूरी की जाए ताकि अभियुक्तों को सजा दिलाई जा सके।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इन कानूनों की प्रभावी समझ और व्यावहारिक प्रशिक्षण पुलिस बल, अभियोजन अधिकारी एवं अन्य संबंधित कर्मियों के लिए आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिलों में चरणबद्ध तरीके से कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन किया जाए, जिनमें केस स्टडी और मॉक ट्रायल के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अपराध अनुसंधान प्रणाली को अधिक प्रभावी, वैज्ञानिक और प्रमाणिक बनाने पर विशेष बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विवेचना अधिकारियों को आधुनिक अनुसंधान तकनीकों, डिजिटल फॉरेंसिक, सीसीटीएनएस प्रणाली और वैज्ञानिक उपकरणों के उपयोग में दक्ष किया जाए। पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए अनुसंधान प्रक्रिया में पारदर्शिता, तत्परता और तकनीकी दक्षता अनिवार्य है। मुख्यमंत्री श्री साय ने साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौती को देखते हुए साइबर सेल को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने तथा जनता को साइबर जागरूकता से जोड़ने के लिए अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह,सचिव राहुल भगत के अलावा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दुनिया की प्रगति में ज्ञान और कौशल की प्रमुख भूमिका है- राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका एमिटी विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि आज की दुनिया की प्रगति में ज्ञान और कौशल की प्रमुख भूमिका है। उच्च शिक्षा संस्थानों को विचारकों, नेताओं और नवप्रवर्तकों की अगली पीढ़ी को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित दीक्षांत समारोह में राज्यपाल श्री डेका ने विश्वविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को विभिन्न पुरूस्कार एवं 18 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, 15 को रजत पदक और 6 को कांस्य पदक प्रदान किए गए। समारोह में वर्ष 2024 बैच के 660 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की उपाधियां वितरित की गई। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के वैज्ञानिक डॉ. वी.के. दास और उद्योगपति एस.एन. स्वामी को डॉक्टरेट की मानद उपाधि सहित 16 विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में पी.एच.डी की उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह दिन सभी स्नातक विद्यार्थियों के लिए वर्षों की कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ता का प्रतीक है। यह न केवल आपके लिए बल्कि आपके परिवारों, शिक्षकों और मार्गदर्शकों के लिए भी गर्व का क्षण है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ लंबे समय से ज्ञान, परंपरा और उत्कृष्टता की भूमि रही है। वे स्वयं यह जानकर चकित हैं कि छत्तीसगढ़ का इतिहास रामायण काल से भी पुराना है। इस राज्य ने विज्ञान, साहित्य, संगीत, लोक कला, सिनेमा, खेल और राजनीति में बहुत योगदान दिया है। इसकी एक मजबूत शैक्षणिक, संस्कृति, शिक्षा और अनुसंधान के प्रति गहरी प्रतिबद्धता है।

श्री डेका ने कहा कि भारत विकास और परिवर्तन के एक नए युग की दहलीज पर खड़ा है। प्रौद्योगिकी, उद्योग, कृषि, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल बुनियादी ढांचे में प्रगति के साथ, हमारा देश एक वैश्विक नेता बनने के लिए तैयार है और 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने के लिए अग्रसर है। श्री डेका ने विद्यार्थियों से आव्हान किया कि वे नवाचार के बारे में सोचें और उसे

अपनाए। भविष्य उन लोगों का है जो हिम्मत करते हैं। सपने देखें और उन सपनों को हासिल करने के लिए अथक परिश्रम करें। भारत को उद्यमियों, शोधकर्ताओं और दूरदर्शी लोगों की जरूरत है, जो नए विचारों और समाधानों के साथ देश को आगे बढ़ा सकें। श्री डेका ने कहा कि भारत हमेशा से बौद्धिक और वैज्ञानिक उपलब्धियों का देश रहा है। नालंदा और तक्षशिला के प्राचीन विश्वविद्यालयों से लेकर आधुनिक शोध संस्थानों तक, हमारा देश हमेशा ज्ञान सृजन में सबसे आगे रहा है। हमारे महान भारतीय विद्वानों ने गणित, विज्ञान, चिकित्सा और दर्शन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जीवन एक यात्रा है। आप अपने जीवन में आगे बढ़ते रहें और अच्छा करने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि आप सभी आजीवन सीखने, नैतिक नेतृत्व और समाज की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हो। शिक्षा केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए नहीं है; यह राष्ट्र और दुनिया के प्रति एक जिम्मेदारी है। श्री डेका ने कहा कि शिक्षा को व्यवसाय नहीं बनाना चाहिए बल्कि यह जीवन की उन्नति का मार्ग है। वे स्वयं शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर करने के लिए प्रयास करते रहेंगें।

इस अवसर पर श्री डेका ने 'एक पेड़ मां के नाम' पर पौधा लगाया। समारोह में विश्वविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक के .चौहान, अध्यक्ष डॉ. असीम के. चैहान, कुलाधिपति डब्लू सेल्वमूर्ति, कुलपति डॉ. पीयूष कांत पाण्डे, रजिस्ट्रार, फैकल्टी मेंम्बर्स, डीन, प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं एवं उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950